Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

‘भाजपा देश को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करती रहेगी’

वर्ष-19, अंक-23 01-15 दिसंबर, 2024 (पाक्षिक) ₹20

‘विकासवाद, सुशासन एवं सच्चे सामाजिक न्याय की विजय’

भाजपा मुख्यालय (नई दिल्ली) में 23 नवंबर, 2024 को महाराष्ट्र में महायुति एवं अन्य राज्यों के उपचुनावों में शानदार जीत पर आयोजित 'आभार कार्यक्रम' में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा मुख्यालय (नई दिल्ली) में 23 नवंबर, 2024 को महाराष्ट्र में महायुति एवं अन्य राज्यों के उपचुनावों में शानदार जीत के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्तागण

भाजपा मुख्यालय (नई दिल्ली) में 23 नवंबर, 2024 को महाराष्ट्र में महायुति एवं अन्य राज्यों के उपचुनावों में शानदार जीत के बाद कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा मुख्यालय (नई दिल्ली) में 23 नवंबर, 2024 को 'आभार कार्यक्रम' के दौरान मंच पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह और श्री अमित शाह

भाजपा मुख्यालय (नई दिल्ली) में 23 नवंबर, 2024 को महाराष्ट्र में महायुति एवं अन्य राज्यों के उपचुनावों में एनडीए की शानदार जीत का जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्तागण

नई दिल्ली में 19 नवंबर, 2024 को 'भाजपा को जानें' पहल के तहत सिंगापुर की सत्तारूढ़ पार्टी 'पीपुल्स एक्शन पार्टी' के वरिष्ठ नेताओं के 16 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

महाराष्ट्र में महायुति की महाविजय

06

हाल ही में महाराष्ट्र एवं झारखंड विधानसभा के चुनाव संपन्न हुए। महाराष्ट्र में भाजपानीत महायुति ने लगातार तीसरी बार ऐतिहासिक विजय प्राप्त की। 23 नवंबर, 2024 को परिणाम घोषित किए...

10 महाराष्ट्र चुनाव का जनादेश है एक हैं तो सेफ हैं : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 23 नवंबर, 2024 को भाजपा केंद्रीय कार्यालय, नई दिल्ली में...

13 प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में भाजपा देश को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करती रहेगी : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 23 नवंबर, 2024...

16 प्रधानमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष समारोह की शुरुआत की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 नवंबर को बिहार के जमुई में जनजातीय गौरव दिवस के...

30 प्रधानमंत्री ने जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लिया और नाइजीरिया व गुयाना की यात्रा की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 18 से 23 नवंबर, 2024 के बीच नाइजीरिया, ब्राजील...

लेख

रचनात्मक अर्थव्यवस्था की अपार संभावनाओं की दस्तक / **अश्विनी वैष्णव** 28

श्रद्धांजलि

भाजपा के राष्ट्रीय संगठक प्रद्युम्न कुमार नहीं रहे 26

नहीं रहे पूर्व राज्यसभा सदस्य गोपाल व्यास 26

अन्य

एनडीए की भव्य जीतः विभिन्न राज्य में संपन्न उपचुनावों में मिली भारी सफलता 14

'यूपीए ने गोधरा कांड की सच्चाई छिपाने की कोशिश की' 15

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष की सिंगापुर प्रतिनिधिमंडल के साथ सार्थक बातचीत 15

नई दिल्ली में सराय काले खां चौक का नाम बदलकर 'भगवान बिरसा मुंडा चौक' व उनकी भव्य प्रतिमा का अनावरण हुआ 18

जनजातीय गौरव दिवसः जनजातीय विरासत का जश्न 19

ग्रामीण भारत के लिए बेहतर भविष्य का निर्माण 21

अप्रैल-अक्टूबर 2024 के दौरान कुल निर्यात 7.28 प्रतिशत बढ़कर 468.27 बिलियन अमरीकी डॉलर रहने का अनुमान 24

भारत की पहली लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण 25

मोदी स्टोरी 27

कमल पुष्प 27

नाइजीरिया के राष्ट्रपति के साथ आधिकारिक वार्ता 31

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए विष्णु मित्तल द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। संपादक- डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

जनजातीय समाज की 'पढ़ाई, कमाई और दवाई' पर हमारी सरकार का बहुत जोर है। इससे इस समाज के सपनों की उड़ान को नए पंख लगे हैं।

(15 नवंबर, 2024)

जगत प्रकाश नड्डा

आज राहुल गांधी संविधान की पुस्तक लेकर घूमते हैं। उन्होंने संविधान की पुस्तक को पढ़ा नहीं है, क्योंकि बाबासाहेब ने संविधान में लिखा है कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता है।

(18 नवंबर, 2024)

अमित शाह

आने वाले 10 वर्षों में भारत का क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम दुनिया में सबसे आधुनिक, वैज्ञानिक और स्पीडी होगा।

(19 नवंबर, 2024)

राजनाथ सिंह

भारत ने ओडिशा के समीप डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह एक ऐतिहासिक क्षण है और इस महत्वपूर्ण उपलब्धि ने हमारे देश को ऐसे चुनिंदा देशों के समूह में शामिल कर दिया है, जिनके पास ऐसी उन्नत सैन्य तकनीकों की क्षमता है। मैं टीम डीआरडीओ, हमारे सशस्त्र बलों और उद्योग जगत को इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाई देता हूं। (17 नवंबर, 2024)

बी.एल. संतोष

महाराष्ट्र में शानदार जीत एवं झारखंड में अप्रत्याशित हार के बीच कुंदरकी (यूपी), रामगढ़ (राजस्थान) और समागुरी (असम) में जीत ने मौजूदा जीत के अनुभव को एक अद्भुत आयाम दिया है। इसे संभव बनाने वाले प्रत्येक कार्यकर्ता को बधाई!

(23 नवंबर, 2024)

निर्मला सीतारमण

उपचुनाव में इस शानदार जीत पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जी एवं बृजेश पाठक जी तथा समस्त कार्यकर्ताओं को बधाई! डबल इंजन सरकार और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में हम उत्तर प्रदेश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए काम करते रहेंगे। (23 नवंबर, 2024)

कमल संदेश परिवार की ओर से सुधी पाठकों को

गीता जयंती (11 दिसंबर)

की हार्दिक शुभकामनाएं!

संपादकीय

महाराष्ट्र में महायुति की ऐतिहासिक जीत

महाराष्ट्र चुनावों में महायुति (भाजपा, शिवसेना एवं एनसीपी गठबंधन) को मिले जबरदस्त जनादेश तथा उपचुनावों में प्राप्त विजय भाजपा के प्रति जन-जन में निरंतर बढ़ता प्यार एवं आशीर्वाद दर्शाता है। महाराष्ट्र में जनादेश इतना विराट एवं भव्य है कि नवनिर्वाचित विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के लिए भी विपक्ष आवश्यक सीटें प्राप्त नहीं कर सकीं तथा महायुति को 288 में से 230 सीटों पर जनता द्वारा विजय का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। पिछले 50 वर्षों के इतिहास में किसी भी चुनाव-पूर्व गठबंधन को इस जनादेश के आस-पास की भी सीटें प्राप्त नहीं हुई थीं। भाजपा 149 सीटों पर चुनाव लड़कर 90 प्रतिशत दर से सफलता प्राप्त करते हुए 132 सीटों पर विजयी रही। इस ऐतिहासिक जनादेश से पुनः एक बार 'परफॉर्मेंस' एवं विकास की जीत हुई है तथा 'विकसित भारत' का संकल्प और अधिक मजबूत हुआ है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य अब हर भारतीय का संकल्प बन चुका है तथा जनता अपना पूर्ण समर्थन दे रही है, ताकि 'विकसित भारत' का संकल्प साकार हो सके। 'एक हैं, तो सेफ हैं' के प्रधानमंत्री जी के आह्वान से जनता ने सभी प्रकार की दीवारें तोड़कर 'महाविकास अघाड़ी' (कांग्रेस, शिवसेना-यूटीबी तथा एनसीपी-एसपी गठबंधन) के विभाजनकारी राजनीति को पराजित किया। परिणामों में अघाड़ी की दुर्दशा इससे समझी जा सकती है कि यह 50 सीटों के भी पार नहीं जा सकी तथा मात्र 46 सीटों पर सिमट कर रह गई। इसकी वोट-बैंक एवं तुष्टीकरण की राजनीति, जो लोगों को बांटने पर आधारित है, उसे जनता ने पूरी तरह से नकार दिया है। छत्रपति शिवाजी महाराज, बाबा साहेब अंबेडकर एवं वीर सावरकर जैसे महापुरुषों का अपमान करने वाले अघाड़ी के नेताओं को महाराष्ट्र की जनता ने ऐसा सबक सिखाया है, जिसे वे कभी नहीं भूल पाएंगे। यह फेक नैरेटिव एवं फरेब की राजनीति के मुंह पर एक करारा तमाचा है। कांग्रेस ने, जिसे इस तरह की निम्नस्तरीय राजनीति में महारत प्राप्त है, यह झूठ फैलाने का प्रयास किया कि एनडीए यदि जीती तो संविधान बदल देगी। परंतु यह झूठ भी जनता द्वारा नकार दिया गया। इससे कौन इंकार कर सकता है कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में संविधान पर निरंतर आघात किया और यहां तक कि देश पर आपातकाल तक थोपा। कांग्रेस ने संविधान का अपमान करते हुए मौलिक अधिकारों तक से जनता को वंचित कर दिया था, इसकी आत्मा को बार-बार कुचला एवं इसकी नीतियों एवं सिद्धांतों का तिरस्कार किया। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा सरकारों ने न केवल संविधान के प्रति श्रद्धानवत रहे, बल्कि पूरे देश को बाबा साहेब तथा संविधान निर्माताओं के बताए मार्गों पर चलने को प्रेरित किया। कांग्रेस ने कई विषयों पर लोगों को दिग्भ्रमित कर जनता के बीच खाई पैदा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, परंतु पूरे महाराष्ट्र ने एकजुट होकर कांग्रेस की इस झूठ एवं फरेब की राजनीति को पराजित किया।

> **पूरा देश एक व्यापक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है तथा राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य अब पूरी तरह से बदल चुका है। आज पूरा देश 'परफॉर्मेंस एवं विकास' की राजनीति को एकजुट होकर अपना आशीर्वाद दे रहा है**

पूरा देश एक व्यापक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है तथा राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य अब पूरी तरह से बदल चुका है। आज जब पूरा देश 'परफॉर्मेंस एवं विकास' की राजनीति को एकजुट होकर अपना आशीर्वाद दे रहा है तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का सुदृढ़ एवं दूरदर्शी नेतृत्व 'विकसित भारत' का पथ प्रशस्त कर रहा है। कांग्रेस के जनविरोधी, भ्रष्ट एवं घुटनाटेक कुशासन के दिन अब लद गए और पिछले दस वर्षों में एक नए भारत का उदय हुआ है, जिससे देश में आशा एवं विश्वास की नई किरणों का संचार हुआ है। महाराष्ट्र, हरियाणा तथा उपचुनावों के परिणामों के साथ-साथ प्रधानमंत्री जी को लगातार तीसरा जनादेश एक नई राजनैतिक संस्कृति को दर्शाता है, जिसमें विभाजनकारी ताकतें पराजित हुई हैं तथा देश के सर्वांगीण विकास के लिए किया गया कठोर परिश्रम का उत्सव मनाया जाता है। आज जब भाजपा पूरे देश के साथ-साथ महाराष्ट्र एवं झारखंड के विकास के लिए भी कृतसंकल्पित है, 'जय शिवाजी, जय भवानी!' का नाद चारों ओर गूंज रहा है तथा हृदय में 'पंच प्रण' एवं 'विकसित भारत' का मंत्र रखकर देश आगे बढ़ चला है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

महाराष्ट्र में महायुति की

हाल ही में महाराष्ट्र एवं झारखंड विधानसभा के चुनाव संपन्न हुए। महाराष्ट्र में भाजपानीत महायुति ने लगातार तीसरी बार ऐतिहासिक विजय प्राप्त की। 23 नवंबर, 2024 को परिणाम घोषित किए गए थे। सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन— जिसमें भाजपा, शिव सेना (एसएचएस) और राकांपा शामिल थे, ने इतिहास रचते हुए 288 सदस्यीय विधानसभा में लगभग 48.16 प्रतिशत मतों के साथ 230 सीटों पर जीत दर्ज की। महायुति ने विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) को परास्त किया और एमवीए को केवल 46 सीटों और 33 प्रतिशत मतों के साथ संतोष करना पड़ा। महाराष्ट्र विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 145 है।

भाजपा 132 सीटों और 26.77 प्रतिशत मतों के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जबकि महायुति सहयोगी दल शिवसेना (एसएचएस) ने 12.38 प्रतिशत मतों के साथ 57 सीटें और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने 9.01 प्रतिशत मतों के साथ 41 सीटें जीतीं।

इसी तरह, विपक्षी शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) को 20 सीटें, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 16 और राष्ट्रवादी कांग्रेस

महाविजय

पार्टी-शरदचंद्र पवार को 10 सीटें मिलीं।

पिछले सभी रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए इस बार महाराष्ट्र में उत्साहपूर्वक 65 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ, जो पिछले तीन दशकों में नहीं देखा गया था। भाजपानीत महायुति को कुल मतों का लगभग 48.16 प्रतिशत मिला। कोंकण, उत्तरी महाराष्ट्र और पश्चिमी महाराष्ट्र क्षेत्रों में तो उसका मत-प्रतिशत 50 प्रतिशत के आंकड़े को भी पार कर गया।

एक तरफ महायुति ने सभी क्षेत्रों में अपना मत-प्रतिशत बढ़ाया, वहीं विपक्षी महाविकास अघाड़ी ने पूरे प्रदेश में कमजोर प्रदर्शन किया। अकेले भाजपा को 149 सीटों में से 132 सीटें मिलीं, जो 288 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के करीब है और एमवीए की तुलना में लगभग पांच गुना है जो कि अपने सभी सहयोगियों के साथ 46 सीटों पर सिमट गई।

अन्य में, समाजवादी पार्टी और जन सुराज्य शक्ति को दो-दो सीटें मिलीं, राष्ट्रीय युवा स्वाभिमान पार्टी, राष्ट्रीय समाज पक्ष, एआईएमआईएम, सीपीआई (एम), पीडब्ल्यूपीआई, राजर्षी शाहू विकास अगाड़ी को एक-एक सीट मिली, जबकि निर्दलीय ने दो सीटें जीतीं।

छत्रपति शिवाजी महाराज, शाहूजी महाराज, महात्मा फुले, सावित्रीबाई फुले, बाबा साहेब अंबेडकर, वीर सावरकर, बाला साहेब ठाकरे जैसे महान लोगों की भूमि महाराष्ट्र ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यह 50 वर्षों में किसी भी पार्टी या चुनाव पूर्व गठबंधन की सबसे बड़ी जीत है। यह तीसरी बार है जब भाजपानीत गठबंधन को महाराष्ट्र के लोगों ने चुना है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सही कहा है कि महाराष्ट्र में आज विकासवाद, सुशासन और सच्चे सामाजिक न्याय की जीत हुई है, जबकि झूठ, छल और फरेब से भरी विभाजनकारी ताकतें हारी हैं।

निस्संदेह, महायुति गठबंधन की लगातार तीसरी ऐतिहासिक जीत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी और करिश्माई नेतृत्व में डबल इंजन सरकार की जन कल्याणकारी नीतियों और सुशासन पर लोगों के अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है।

इसी तरह, झारखंड में झामुमोनीत गठबंधन अपने सहयोगियों के साथ एक बार फिर सत्ता में लौट आया। गठबंधन ने 81 सदस्यीय विधानसभा में 56 सीटें जीतीं।

झामुमो ने 34 सीटें जीतीं, जबकि उसकी सहयोगी कांग्रेस को 16 सीटें मिलीं। वहीं, एनडीए को 24 सीटें (भाजपा-21) मिलीं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने झारखंड के लोगों को धन्यवाद दिया और राज्य के लोगों के लिए कड़ी मेहनत करने की बात कही।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा, "मैं झारखंड के लोगों को हमारे प्रति उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। हम लोगों के मुद्दे को उठाने और राज्य के लिए काम करने में हमेशा सबसे आगे रहेंगे। मैं झामुमोनीत गठबंधन को भी राज्य में उनके प्रदर्शन के लिए बधाई देता हूं।"

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा, "झारखंड विधानसभा चुनाव में मिले जनादेश को हम स्वीकार करते हैं। लोकतंत्र में जनता-जनार्दन का निर्देश सर्वोपरि है। भारतीय जनता पार्टी सदैव झारखंड के विकास व रोटी, बेटी और माटी के सम्मान, सुरक्षा व समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है। हम जनजातीय भाई-बहनों समेत जनता के हित के मुद्दे उठाते रहेंगे। चुनाव के दौरान संगठन के लिए समर्पित सभी कार्यकर्ताओं का अभिनंदन एवं प्रदेश की जनता का हार्दिक आभार।" ■

> **विकास की जीत!**
> **सुशासन की जीत!**
> **एकजुट होकर हम और भी ऊंचे उठेंगे।**
> **एनडीए को ऐतिहासिक जनादेश देने के लिए महाराष्ट्र के मेरे भाई-बहनों, विशेषकर राज्य के युवाओं और महिलाओं का हार्दिक आभार। यह स्नेह और उत्साह अद्वितीय है।**
> **मैं लोगों को आश्वस्त करता हूं कि हमारा गठबंधन महाराष्ट्र की प्रगति के लिए काम करता रहेगा। जय महाराष्ट्र!**
>
> **- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री**

दलवार परिणाम	
दल का नाम	**विजयी**
भारतीय जनता पार्टी	132
शिवसेना	57
नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी	41
शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे)	20
इंडियन नेशनल कांग्रेस	16
नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार)	10
समाजवादी पार्टी	2
जन सुराज्य शक्ति	2
राष्ट्रीय युवा स्वाभिमान पार्टी	1
राष्ट्रीय समाज पक्ष	1
ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन	1
कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया (मार्क्सिस्ट)	1
पीजैन्ट्स एण्ड वर्कर्स पार्टी ऑफ इण्डिया	1
राजर्षी शाहू विकास आघाडी	1
निर्दलीय	2
कुल	288

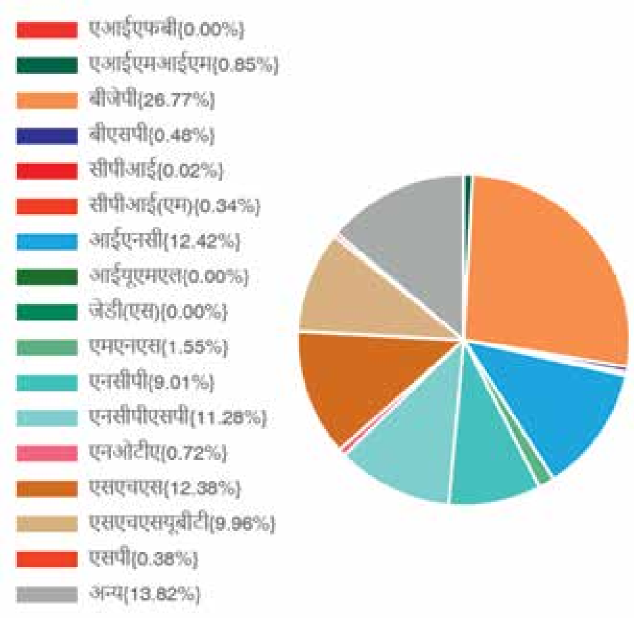

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की यह ऐतिहासिक विजय एवं महायुति गठबंधन की प्रचंड जीत आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में डबल इंजन सरकार की जन-कल्याणकारी नीतियों व सुशासन पर जनता-जनार्दन के अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है।

प्रदेश की जनता ने कांग्रेस समेत महाअघाड़ी के वंशवाद, तुष्टीकरण व विभाजनकारी राजनीति को सिरे से नकार दिया है।

मैं इस भव्य विजय पर महायुति के समस्त वरिष्ठ नेतृत्व और भाजपा, महाराष्ट्र प्रदेश के हमारे कर्मठ कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं एवं देवतुल्य मतदाताओं का हृदय से आभार प्रकट करता हूं।

- जगत प्रकाश नड्डा, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

प्रमुख बिंदु

- बीते 50 साल में किसी भी पार्टी, किसी भी प्री-पोल अलायंस के लिए ये सबसे बड़ी जीत है।
- महाराष्ट्र में अकेले भाजपा को कांग्रेस और उसके सभी सहयोगियों से ज्यादा सीटें मिली है।
- ये लगातार तीसरी बार है जब भाजपा के नेतृत्व में किसी गठबंधन को महाराष्ट्र ने विजयी बनाया है।
- ये भी लगातार तीसरी बार है जब भाजपा महाराष्ट्र में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है।
- महाराष्ट्र देश का छठा राज्य है जिसने भाजपा को लगातार तीन बार जनादेश दिया है।
- गोवा, गुजरात, छत्तीसगढ़, हरियाणा, मध्य प्रदेश में भाजपा लगातार तीन बार जीत चुकी है।
- बिहार में भी एनडीए को तीन बार लगातार जनादेश मिला है।
- जब सुशासन की बात आती है तो देश सिर्फ भाजपा और एनडीए पर भरोसा करता है।

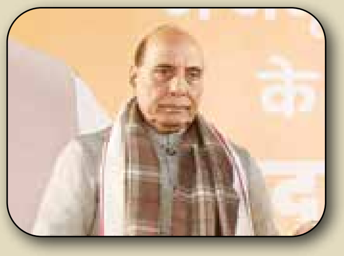

महाराष्ट्र में महायुति की महाविजय पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा के सभी कर्मठ एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को बहुत-बहुत बधाई।

महाराष्ट्र की जनता ने अभूतपूर्व जनादेश देकर यह बता दिया है कि उनका भरोसा सुशासन और विकास के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता में है, गरीब कल्याण के प्रति एनडीए सरकार की संवेदनशीलता में है और प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व की विश्वसनीयता में है।

मैं इस प्रचंड जीत के लिए पार्टी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी, मुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे जी, उपमुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस जी एवं श्री अजीत पवार जी को भी बधाई देता हूं। साथ ही, इस ऐतिहासिक जनादेश के लिए महाराष्ट्र की जनता का अभिनंदन करते हुए उन्हें हृदय से धन्यवाद देता हूं।

- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

जय महाराष्ट्र!

इस ऐतिहासिक जनादेश के लिए महाराष्ट्र की जनता का कोटि-कोटि वंदन!

छत्रपति शिवाजी महाराज, बाबासाहेब आंबेडकर जी, ज्योतिबा फुले जी और वीर सावरकर जी की पुण्यभूमि महाराष्ट्र ने विकास के साथ-साथ संस्कृति और राष्ट्र को सर्वोपरि रखने वाले महायुति गठबंधन को इतना प्रचंड जनादेश देकर भ्रम और झूठ के सहारे संविधान के नकली हितैषी बनने वालों की दुकान पर ताला लगाने का काम किया है।

यह जीत हर एक महाराष्ट्रवासी की जीत है।

- अमित शाह
केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

महाराष्ट्र चुनाव का जनादेश है एक हैं तो सेफ हैं : नरेन्द्र मोदी

बीते 50 साल में किसी भी पार्टी, किसी भी प्री-पोल अलायंस के लिए ये सबसे बड़ी जीत है

'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम', 'जय श्रीराम' और 'मोदी-मोदी...' के नारे के बीच उत्साहित कार्यकर्ताओं के विशाल समूह के मध्य प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा के साथ नई दिल्ली स्थित भाजपा केंद्रीय कार्यालय में आयोजित महाराष्ट्र में भाजपानीत महायुति और विभिन्न राज्यों में हुए उपचुनावों में शानदार जीत के बाद 'आभार कार्यक्रम' में भाग लेने के लिए पहुंचे। ढोल की थाप और पुष्पों की पंखुड़ियों के साथ हजारों भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्रीजी एवं भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया। मंच पर रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने माला पहनाकर प्रधानमंत्रीजी का स्वागत किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 23 नवंबर, 2024 को भाजपा केंद्रीय कार्यालय, नई दिल्ली में आयोजित 'महाराष्ट्र एवं झारखंड के विधानसभा चुनाव एवं अन्य राज्यों में हुए उपचुनावों में भाजपा को अभूतपूर्व आशीर्वाद देने के लिए जनता का हृदय से आभार' कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और भारतीय जनता पार्टी की जीत को सत्य एवं न्याय की जीत बताते हुए जनता-जनार्दन को नमन किया। कार्यक्रम में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी, नेतागण तथा भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'जय भवानी, जय शिवाजी' के नारे के साथ अपना संबोधन शुरू करते हुए कहा कि महाराष्ट्र में विकासवाद व सुशासन की जीत हुई, सच्चे सामाजिक न्याय की जीत हुई है। महाराष्ट्र ने विकसित भारत के संकल्प को और मजबूत किया है।

श्री मोदी ने कहा कि आज महाराष्ट्र में झूठ, छल, फरेब पूरी तरह से हारा है। विभाजनकारी ताकतें पूरी तरह से हारी हैं। निगेटिव पॉलिटिक्स और परिवारवाद की हार हुई है। मैं देशभर के भाजपा, एनडीए के सभी कार्यकर्ताओं को बहुत बधाई देता हूं, उनका अभिनंदन करता हूं।

देश सिर्फ विकास चाहता है

श्री मोदी ने कहा कि आज देश के अनेक राज्यों में उपचुनाव के नतीजे आए। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान ने भाजपा को जमकर समर्थन दिया है। असम के लोगों ने भाजपा पर एक बार और समर्थन जताया है। मध्य प्रदेश में भी हमें सफलता मिली है। बिहार में एनडीए का समर्थन बढ़ा है। ये दिखाता है कि देश सिर्फ विकास चाहता है। मैं माताओं-बहनों, किसानों का, युवाओं का, देश की जनता का नमन करता हूं। मैं झारखंड की जनता को भी नमन करता हूं। वहां के विकास के लिए और काम करेंगे।

भाजपा के गर्वनेंस मॉडल पर जनता के विश्वास की मुहर

श्री मोदी ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर, सावित्री फुले, बाला साहेब ठाकरे की पावन धरती

महाराष्ट्र ने जीत के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। बीते 50 साल में किसी भी पार्टी, किसी भी प्री-पोल अलायंस के लिए ये सबसे बड़ी जीत है। ये लगातार तीसरी बार है जब भाजपा के नेतृत्व में किसी गठबंधन को लगातार महाराष्ट्र ने विजयी बनाया है। ये भी लगातार तीसरी बार है जब भाजपा महाराष्ट्र में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। ये निश्चित रूप से ऐतिहासिक है। ये भाजपा के गवर्नेंस मॉडल पर जनता के विश्वास की मुहर है। महाराष्ट्र देश का छठा राज्य है, जिसने भाजपा को लगातार तीन बार जनादेश दिया है। गोवा, गुजरात, छत्तीसगढ़, हरियाणा, मध्य प्रदेश में हम लगातार तीन बार जीत चुके हैं। बिहार में भी एनडीए को तीन बार लगातार जनादेश मिला है। महाराष्ट्र में अकेले भाजपा को कांग्रेस और उसके सभी सहयोगियों से ज्यादा सीटें मिली है। ये दिखाता है कि जब सुशासन की बात आती है तो देश सिर्फ भाजपा और एनडीए पर भरोसा करता है। इस विश्वास को बनाए रखने के लिए हम कोई कसर नहीं रखेंगे। मैं आज महाराष्ट्र का जनता का विशेष अभिनंदन करना चाहता हूं।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र देश का एक बहुत जरूरी ग्रोथ इंजन है। इसलिए यहां के लोगों ने जो जनादेश दिया है, वह विकसित भारत का बहुत बड़ा आधार बनेगा। हरियाणा के बाद महाराष्ट्र चुनाव का जनादेश है एकजुटता— एक हैं तो सेफ हैं। महाराष्ट्र ने डंके की चोट पर कहा है— एक हैं तो सेफ हैं।

उन्होंने कहा कि हम विकास और विरासत, दोनों को साथ लेकर चलते हैं। इसलिए हमें वोट मिला है। छत्रपति शिवाजी महाराज हमारी प्रेरणा हैं। हमने हमेशा आंबेडकर, महात्मा फुले, सावित्री फुले को माना है।

विपक्ष ने सोचा था संविधान और आरक्षण के नाम पर झूठ बोलकर एससी, एसटी, ओबीसी को समूहों में बांट देंगे। कांग्रेस और उसके साथियों की इस साजिश को महाराष्ट्र ने सीधे से खारिज कर दिया है। महाराष्ट्र ने जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र के नाम पर लड़ाने वालों को सजा दी है। ओबीसी, दलित, आदिवासी सहित सभी वर्ग ने भाजपा-एनडीए को वोट दिया

कांग्रेस के पाखंड को जनता ने खारिज कर दिया है

श्री मोदी ने कहा कि विपक्ष ने सोचा था संविधान और आरक्षण के नाम पर झूठ बोलकर एससी, एसटी, ओबीसी को समूहों में बांट देंगे। कांग्रेस और उसके साथियों की इस साजिश को महाराष्ट्र ने सीधे से खारिज कर दिया है। महाराष्ट्र ने जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र के नाम पर लड़ाने वालों को सजा दी है। ओबीसी, दलित, आदिवासी सहित सभी वर्ग ने भाजपा-एनडीए को वोट दिया। जनता ने कांग्रेस और उसके साथियों की सोच के इकोसिस्टम पर करारा जवाब दिया है, जो समाज को बांटने का एजेंडा चला रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को सालों तक मराठी भाषा की सेवा का मौका मिला, लेकिन इन लोगों ने इसके लिए कुछ नहीं किया। हमारी सरकार ने मराठी को क्लासिकल लैंग्वेज का दर्जा दिया। मातृभाषा का सम्मान, संस्कृतियों का सम्मान, इतिहास का सम्मान हमारे संस्कार और इतिहास में हैं। मैं तो हमेशा कहता हूं कि मातृभाषा का सम्मान मतलब अपनी मां का सम्मान।

श्री मोदी ने कहा कि इंडी वाले देश के बदले मिजाज को नहीं समझ पा रहे हैं। ये लोग सच्चाई को स्वीकार करना नहीं चाहते। ये लोग आज भी भारत के सामान्य मतदाता के विवेक को कम आंकते हैं। देश का मतदाता अस्थिरता नहीं चाहता। देश के मतदाता 'नेशन फर्स्ट' के साथ है। जो कुर्सी फर्स्ट के साथ हैं, उन्हें देश का नेचर पसंद नहीं आ रहा। जो राजनीतिक दल एक राज्य में बड़े-बड़े वादे करता है, जनता दूसरे राज्य में उसकी परफॉर्मेंस देखती है। इसलिए, कांग्रेस के पाखंड को जनता ने खारिज कर दिया है। कांग्रेस ने जनता को गुमराह करने के लिए दूसरे राज्यों के सीएम मैदान में उतारे, तब भी इनकी चाल कामयाब नहीं हुई। इनके झूठे वादे नहीं चले।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के जनादेश का एक और संदेश है। वह यह कि पूरे देश में एक ही संविधान चलेगा— वह है बाबा साहेब का संविधान, भारत का संविधान। देश में जो दो संविधान की बात करेगा, उसको देश पूरी तरह से नकार देगा। कांग्रेस और उसके साथियों ने जम्मू-कश्मीर में फिर से धारा 370 की दीवार बनाने का काम किया। यह संविधान का अपमान है। कांग्रेस और उसके सहयोगियों को स्पष्ट कहना चाहता हूं कि कान खोलकर सुन लो, अब दुनिया की कोई भी ताकत 370 को जम्मू-कश्मीर में वापस नहीं ला सकती है।

अघाड़ी वालों का दोमुंहा चेहरा उजागर

श्री मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव ने इंडी वालों का, अघाड़ी वालों का दोमुंहा चेहरा भी देश के सामने खोलकर रख दिया है। हम सब जानते हैं कि बाला साहेब ठाकरे का देश-समाज के लिए कितना बड़ा योगदान रहा है। कांग्रेस ने अपने लालच में उनकी पार्टी के एक धड़े को साथ ले लिया, लेकिन बाला साहेब की तस्वीर निकाल दी। कांग्रेस का कोई भी नेता बाला साहेब की प्रशंसा नहीं करता है। कांग्रेस का मकसद सिर्फ वीर सावरकर को बदनाम करना है। कांग्रेस ने पूरे देश में वीर सावरकर का अपमान किया, उन्हें गालियां दी।

उन्होंने कहा कि भारत की राजनीति में अब कांग्रेस पार्टी परजीवी बनकर रह गई है। कांग्रेस के लिए अपने दम पर सरकार बनाना लगातार मुश्किल हो रहा है। आंध्र, अरुणाचल, सिक्किम, हरियाणा और आज महाराष्ट्र में उनका सूपड़ा साफ हो गया है। कांग्रेस की विभाजनकारी राजनीति लगातार फेल हो रही है लेकिन उसका अहंकार सातवें आसमान पर है। कांग्रेस परजीवी पार्टी बन चुकी है। वह अपने साथियों का नाव भी डुबो देती है। महाराष्ट्र में कांग्रेस के गठबंधन ने यहां की हर पांच में से 4 सीटें हारी हैं। अघाड़ी के हर घटक का

स्ट्राइक रेट 20 फीसदी से कम है। ये दिखाता है कि कांग्रेस खुद डूबती है और दूसरों को भी डुबोती है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में कांग्रेस के सहयोगियों ने अपनी जान छुड़ा ली, वरना वहां भी कांग्रेस के सहयोगियों को लेने के देने पड़ जाते।

कांग्रेस ने तुष्टीकरण के लिए कानून बनाए

श्री मोदी ने कहा कि हमारे संविधान निर्माताओं ने 1947 में विभाजन की विभीषिका के बीच में भी हिंदू संस्कार और परंपरा को निभाते हुए पंथनिरपेक्षता की राह को चुना था। कांग्रेस के इस परिवार ने झूठे सेक्युलरिज्म के नाम पर उसे बदनाम किया। दशकों तक कांग्रेस ने देश में यही खेल खेला है। संविधान के साथ कांग्रेस के एक परिवार ने विश्वासघात किया है। कांग्रेस ने तुष्टीकरण के लिए कानून बनाए। इसके लिए उसने सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर की भी परवाह नहीं की। वक्फ बोर्ड इसका उदाहरण है। हालात ये था कि 2014 में सरकार से जाते-जाते कांग्रेस ने दिल्ली की कई संपत्ति वक्फ बोर्ड को सौंप दी थी। बाबा साहेब के संविधान में वक्फ कानून को कई स्थान नहीं है। फिर भी कांग्रेस ने वक्फ बोर्ड की व्यवस्था पैदा कर दी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शाही परिवार की सोच इतनी विकृत हो गई है कि उन्होंने सामाजिक न्याय की व्यवस्था को चूर-चूर कर दिया। आज यही कांग्रेस और उसका परिवार खुद ही स्वार्थ में सत्ता भूख को शांत करने के लिए जातिवाद का जहर फैला रहा है। इन लोगों ने सामाजिक न्याय का गला घोंट दिया है। एक परिवार की सत्ता भूख इतनी चरम पर है कि उन्होंने अपनी पार्टी को ही खा लिया है। देश के अलग-अलग भागों में कांग्रेस के पुराने लोग हैं जो अपने जमाने की कांग्रेस को ढूंढ रहे हैं, लेकिन आज की कांग्रेस की आदत, व्यवहार से साफ पता चल रहा है कि ये वो कांग्रेस नहीं है। कांग्रेस में आतंरिक रूप से असंतोष की ज्वाला भड़क चुकी है। एक परिवार को कांग्रेस चलाने का हक है, केवल वही काबिल हैं, बाकी सब नहीं - इनकी इसी सोच ने कांग्रेस के समर्पित कार्यकर्ता के लिए वहां काम करना मुश्किल कर दिया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का परिवार सत्ता के बिना जी नहीं सकता। चुनाव जीतने के लिए ये कुछ भी कर सकते हैं। दक्षिण में जाकर उत्तर को, उत्तर में जाकर दक्षिण को और विदेश में जाकर देश को गाली देना— यही इनका काम है। हर दिन नया झूठ बोलते रहना, कांग्रेस और उसके परिवार की सच्चाई बन गई है। आज कांग्रेस का अर्बन नक्सलवाद भारत के सामने चुनौती बनकर खड़ा हो गया है। इसका रिमोट देश के बाहर है। इससे बचना जरूरी है। कांग्रेस की हकीकत जानना जरूरी है।

आधुनिक भारत का संदेश

श्री मोदी ने कहा कि हरियाणा से मिले आशीर्वाद पर हमने बात की थी। आज महाराष्ट्र के सभी शहरों ने आज स्पष्ट राय रखी है। शहरी क्षेत्रों के गरीब, मिडिल क्लास ने भाजपा का समर्थन किया है।

आधुनिक भारत का संदेश दिया है। हमारे महानगरों ने विकास को चुना है। आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर को चुना है। विकास की बाधाओं को नकार दिया है। आज का शहरी भारत ईज ऑफ लिविंग चाहता है, इसके लिए उनका भरोसा भाजपा-एनडीए पर है। आज भाजपा देश के युवाओं को नए-नए सेक्टर में अवसर देने का काम कर रही है। स्टार्टअप के लिए बीजेपी नीतियां बना रही है। निर्णय ले रही है। हमारा मानना है कि भारत के शहर विकास का इंजन हैं। शहर के विकास से गांव को ताकत मिलती है। हमारे शहर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ शहरों के लिस्ट में आए हैं। बीजेपी-एनडीए की सरकारें इसी लक्ष्य के लिए काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि मैं एक लाख ऐसे युवाओं को भाजपा में लाना चाहता हूं, जिनके परिवार का राजनीति से कोई संबंध नहीं है। ऐसे उम्मीदवारों को आज जनता ने समर्थन दिया है। लोकतंत्र में जय-पराजय चलती रहेगी। चुनाव आएंगे-जाएंगे लेकिन भाजपा का ध्येय देश बनाने का है, केवल सरकार का बनाने का नहीं। हम 'विकसित भारत' बनाने के लिए निकले हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता देश के विकास में जुटा है। आपका विश्वास इसको और मजबूत करता है। हमारे प्रतिनिधि विकास के संकल्प के प्रतिबद्ध हैं। हमें सेवक बनकर देश के हर नागरिक की सेवा करनी है। उन सपनों को पूरा करना है जो देश की आजादी के मतवालों ने भारत के लिए देखे थे। हमें मिलकर विकसित भारत के सपने को साकार करना है।

श्री मोदी ने कहा कि केवल 10 सालों में हमने भारत को दुनिया की सबसे 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया है। वो दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर रहेगा। हम मिलकर आगे बढ़ेंगे। एकजुट होकर आगे बढेंग़े, तो हर लक्ष्य पाकर रहेंगे। इसी भाव के साथ— एक हैं तो सेफ हैं— भारत माता की जय। वंदे मारतम। ■

प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में भाजपा देश को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करती रहेगी : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 23 नवंबर, 2024 को भाजपा केंद्रीय कार्यालय, नई दिल्ली में आयोजित 'महाराष्ट्र एवं झारखंड विधानसभा चुनाव एवं अन्य राज्यों में हुए उपचुनावों में भाजपा को अभूतपूर्व आशीर्वाद देने के लिए जनता का हृदय से आभार' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी, नेतागण तथा भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक अभिनंदन और स्वागत करते हुए कहा कहा कि आज महाराष्ट्र की जनता एवं विभिन्न राज्यों की जनता ने चुनावों में जो संदेश दिया है, उसने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के देशवासियों की सेवा के संकल्प और कार्य पर, फिर एक बार मुहर लगा दी है। मैं महाराष्ट्र, झारखंड और विभिन्न राज्यों के उपचुनाव में भाजपा की ओर से जनता के प्रति आभार व्यक्त करता हूं।

'विकसित भारत' की संकल्पना पर फिर से मुहर

श्री नड्डा ने कहा कि पहले हरियाणा और अब महाराष्ट्र विधानसभा और अन्य राज्यों के उपचुनाव में मिली जीत ये बताती है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकासवाद और गांव, गरीब, वंचित, दलित, महिला, युवा, किसान को मुख्यधारा में शामिल करने और 'विकसित भारत' की संकल्पना पर जनता ने फिर से मुहर लगा दी है। चुनाव परिणाम ने स्पष्ट कर दिया है कि समाज को बांटने और गुमराह करने की कोशिश करने वालों को मुंह की खानी पड़ी और देश ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकासवाद को सराहा है।

इंडी अलायंस को मिला करारा जवाब

श्री नड्डा ने कहा कि कुछ समय से इंडी अलायंस को यह भ्रम हो गया था कि वे लोगों को संविधान, जाति, धर्म और तुष्टीकरण के नाम पर बांटकर, सत्ता पर काबिज हो सकते हैं लेकिन हरियाणा के बाद महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के परिणाम ने इंडी अलायंस को करारा जवाब दिया है। महाराष्ट्र के जनादेश ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि 2019 में भी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को जनादेश मिला था लेकिन उद्धव ठाकरे की सत्ता के प्रति मोह और अवसरवादिता के कारण धोखा देकर, उस जनादेश का अपमान किया। महाराष्ट्र के चुनावी नतीजों ने उद्धव ठाकरे को धता दिखाकर बता दिया कि महाराष्ट्र की जनता भाजपा, शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) के साथ है। प्रधानमंत्री श्री नरेद्र मोदी ने लोकसभा चुनावों के बाद कांग्रेस

पार्टी को लेकर कहा था कि कांग्रेस एक परजीवी पार्टी है, जो बेल की लता की तरह किसी दूसरे पर चिपक जाती है। यह खुद तो सूख जाती है, लेकिन जिससे लिपटती है, उसे भी सुखा देती है। इस बात को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी के नतीजों ने पूरी तरह प्रमाणित कर दिया है। कांग्रेस ने न केवल खुद को कमजोर किया, बल्कि अपने गठबंधन के सहयोगियों को भी नुकसान पहुंचाया।

उपचुनावों में भाजपा की शानदार जीत

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजनीति में एक नया शब्द सामने आया है प्रो-इनकंबेंसी। यह शब्द, जो पिछले 70 वर्षों में कभी नहीं सुना गया, आज भाजपा की उपलब्धियों को परिभाषित करता है। गुजरात में तीन दशकों से कमल खिल रहा है, मध्यप्रदेश में दो दशकों से भाजपा का वर्चस्व है और असम, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, तथा गोवा में पिछले दो कार्यकाल से एनडीए की सरकारें सफलतापूर्वक कार्य कर रही हैं। इस बार महाराष्ट्र की जनता ने भी भाजपा पर भरोसा जताते हुए दोबारा कमल खिलाया है। उपचुनावों में भाजपा के पास जहां पहले सिर्फ 11 सीटें थीं, वहां अब 20 सीटों पर जीत दर्ज की गई है। एनडीए ने 8 सीटें जीती हैं, जिससे कुल आंकड़ा 28 तक पहुंच गया है। यह देश के मूड और जनता के विश्वास को दर्शाता है।

श्री नड्डा ने महाराष्ट्र, झारखंड और 13 राज्यों में हुए उपचुनाव के परिणामों के लिए जनता के प्रति आभार व्यक्त किया। श्री नड्डा ने कहा कि झारखंड में भाजपा को विपक्ष में रहने का जनादेश मिला है। हम झारखंड में विपक्ष में रहते हुए अपनी रचनात्मक भूमिका को निभाएंगे और देश को मजबूत करते हुए बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरुद्ध चल रहे अभियान को आगे बढ़ाएंगे। भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं ने बहुत परिश्रम किया है और आज उनकी मेहनत रंग लाई है। मैं सभी कार्यकर्ताओं को दिल से धन्यवाद देता हूं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा देश को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करती रहेगी। ■

एनडीए की भव्य जीत

विभिन्न राज्यों में संपन्न उपचुनावों में मिली भारी सफलता

महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों के साथ 14 राज्यों की विभिन्न विधानसभा एवं लोकसभा सीटों पर भी उपचुनाव संपन्न हुए। इस दौरान उत्तर प्रदेश की नौ सीटों पर, राजस्थान की सात सीटों पर, पश्चिम बंगाल की छह और असम की पांच सीटों पर चुनाव हुए। इसके अतिरिक्त पंजाब और बिहार में चार-चार सीटों पर, कर्नाटक में तीन, जबकि मध्य प्रदेश, सिक्किम एवं केरल की दो-दो सीटों पर, छत्तीसगढ़, गुजरात, उत्तराखंड और मेघालय में एक-एक सीट पर जनता ने अपना निर्णय सुनाया। 14 राज्यों की 48 सीटों के लिए हुए उपचुनाव के नतीजे 23 नवंबर, 2024 को घोषित किए गए।

उत्तर प्रदेश में नौ सीटों पर उपचुनाव हुआ, जिसमें से भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने सात सीटों पर जीत हासिल की। अकेले भाजपा को छह सीटें मिलीं, जबकि उसकी सहयोगी रालोद को एक सीट मिली। समाजवादी पार्टी ने दो सीटें जीतीं। 2022 के विधानसभा चुनाव में इन नौ सीटों में से केवल एक पर जीत हासिल करने वाली भाजपा ने इस बार छह सीटों पर जीत हासिल की। जीत के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को दिया।

इसी तरह, राजस्थान में भाजपा ने पांच सीटें जीतीं। भाजपा ने आदिवासी बहुल सलूम्बर सीट को बरकरार रखा और झुंझुनू, खींवसर, रामगढ़ एवं देवली-उनियारा में जीत हासिल की। कांग्रेस, जिसने 2023 के विधानसभा चुनाव में इन सात में से चार सीटों पर जीत हासिल की थी, उसे तीन सीटों पर हार का मुंह देखना पड़ा और वह केवल दौसा में मामूली अंतर से जीत हासिल कर पायी। बीएपी ने डूंगरपुर जिले की चौरासी सीट पर विजय प्राप्त की।

बिहार में एनडीए ने सभी चार सीटों पर कब्जा कर राजद-कांग्रेस गठबंधन को झटका दिया। भाजपा ने भोजपुर और तरारी (रामगढ़) सीटों पर कब्जा किया, जबकि जनता दल (यूनाइटेड) ने राजद के गढ़ बेलागंज में जीत हासिल की। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के नेता जीतन राम मांझी की बेटी ने इमामगंज पर जीत हासिल की।

उत्तराखंड में भाजपा ने केदारनाथ विधानसभा सीट जीती। मध्य प्रदेश में भाजपा ने बुधनी सीट बरकरार रखी, जो श्री शिवराज सिंह चौहान के संसद में चुने जाने के बाद खाली हुई थी।

एनडीए के जन-हितैषी प्रयासों की गूंज हर जगह सुनाई दे रही है: नरेन्द्र मोदी

उपचुनावों में जीत के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बधाई देते हुए कहा, "एनडीए के जन-हितैषी प्रयासों की गूंज हर जगह सुनाई दे रही है! मैं विभिन्न राज्यों के लोगों को उपचुनावों में एनडीए उम्मीदवारों को आशीर्वाद देने के लिए धन्यवाद देता हूं। हम उनके सपनों एवं आकांक्षाओं को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।"

हमारे समर्पित कार्यकर्ताओं की मेहनत की जीत है: जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा, "देश के विभिन्न राज्यों में हुए उपचुनावों में भाजपा को मिले प्रचंड बहुमत से पता चलता है कि जनता का यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व एवं जनकल्याणकारी नीतियों में अटूट विश्वास है।

विभिन्न सीटों पर कांग्रेस एवं इंडी गठबंधन की हार से यह स्पष्ट हो गया है कि जनता एनडीए के सुशासन एवं विकास के साथ है। यह जीत राज्य के समर्पित कार्यकर्ताओं की अतुल्य मेहनत एवं जनता के अपार समर्थन का परिणाम है। सभी को हार्दिक बधाई एवं मतदाताओं का आभार।"

छत्तीसगढ़ में भाजपा ने रायपुर सीट 46,000 से अधिक मतों से जीती। भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री ब्रजमोहन अग्रवाल के सांसद बनने के बाद यह सीट खाली हो गई थी। गुजरात में भाजपा ने वाव विधानसभा सीट जीती, जो दशकों से पार्टी का गढ़ रही है।

एनडीए की सहयोगी नेशनल पीपुल्स पार्टी ने मेघालय में गम्बेग्रे विधानसभा सीट पर कब्जा बरकरार रखा, जबकि असम में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए ने सभी पांच सीटें जीतीं, जिसमें से भाजपा ने तीन और अन्य सीटों पर उसके सहयोगी दलों ने जीत हासिल की, जबकि सिक्किम में एनडीए ने सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के दोनों उम्मीदवारों को निर्विरोध जीत दिलाई। ■

'द् साबरमती रिपोर्ट' की विशेष स्क्रीनिंग

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा 19 नवंबर 2024 को दिल्ली के दरियागंज स्थित एक मल्टीप्लेक्स में पत्रकारों के साथ 'द् साबरमती रिपोर्ट' फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग में शामिल हुए। इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि यह एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण सच्चाई है, जिसमें मासूम बच्चे, महिलाएं समेत 59 लोगों को जिंदा जला दिया गया था और इस सच्चाई को सबके सामने आने में लगभग 22 साल लग गए। गोधरा की पूरी सच्चाई सबके सामने रखने के लिए यह एक ईमानदार प्रयास है, इसके लिए मैं 'द् साबरमती रिपोर्ट' की पूरी टीम की सराहना करता हूं एवं उन्हें विशेष बधाई देता हूं।

इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बैजयंत जय पांडा, राष्ट्रीय महामंत्री श्री अरुण सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख श्री अनिल बलूनी सहित पार्टी के अन्य कई पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि 'द् साबरमती रिपोर्ट' सच्चाई के आधार पर बनी

'यूपीए ने गोधरा कांड की सच्चाई छिपाने की कोशिश की'

फिल्म है, गोधरा में जो घटना घटी उस पर आधारित है, लेकिन इसकी सच्चाई सबके सामने आने में 22 साल लग गए। यह बहुत भी दुर्भाग्यपूर्ण था कि तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले कांग्रेस सहित यूपीए ने गोधरा कांड के सच को छुपाने की कोशिश की थी, उस समय सोनिया गांधी यूपीए की चेयरपर्सन थी। तथाकथित लेफ्ट लिबरल की भी कोशिश थी कि सच्चाई सामने नहीं आए। तथाकथित लेफ्ट लिबरल की एक "इको सिस्टम" इस पर मिट्टी डालने की पूरी कोशिश की। श्री नड्डा देश की जनता से निवेदन किया कि 'द् साबरमती रिपोर्ट' को जरूर देखें कि किस प्रकार से गोधरा कांड हुआ था और किस तरह से कारसेवकों को जिंदा जलाया गया था।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि सब लोग भलीभांति जानते हैं कि गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस में आग लगी नहीं थी, बल्कि आग लगाई गयी थी, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए सरकारों और तथाकथित लिबरल जमात ने इस सच्चाई पर मिट्टी डालने का भंयकर पाप किया था, जो मानवता के खिलाफ सबसे बड़े गुनाहों में से एक है। 'द् साबरमती रिपोर्ट' देखने पर एक बार फिर गोधरा में घटित हृदय विदारक घटना ने दिलोदिमाग को झकझोर दिया। गोधरा में 27 फरवरी, 2002 को अयोध्या से आ रहे कारसेवकों से भरी ट्रेन साबरमती एक्सप्रेस को आग के हवाले करके 59 लोगों को जिंदा जला दिए गए थे, जिसमें अधिकांश मासूम बच्चे और महिलाएं थी। ■

'भाजपा को जानें' पहल

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष की सिंगापुर प्रतिनिधिमंडल के साथ सार्थक बातचीत

'भाजपा को जानें' पहल के तहत सिंगापुर की सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) के वरिष्ठ नेताओं के एक सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 19 नवंबर, 2024 को नई दिल्ली में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा से मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल में 16 सदस्य शामिल थे।

पीएपी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वरिष्ठ संचार और सूचना एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री डॉ. जनिल पुथुचेरी ने किया और इसमें तीन मंत्री एवं चार संसद सदस्य शामिल थे।

इस दौरान श्री नड्डा ने भाजपा की ऐतिहासिक विकास यात्रा, संगठनात्मक ढांचे और विशेष रूप से जमीनी स्तर पर इसके समर्पित कार्यकर्ताओं के योगदान को लेकर चर्चा की। ऐसे ही सामाजिक-आर्थिक विकास, विभिन्न वर्गों के सशक्तीकरण को लेकर पहल और समावेशी विकास के प्रति पार्टी के प्रयासों जैसे पहलुओं को साझा किया गया।

बैठक में भाजपा के विदेश मामलों के प्रभारी डॉ. विजय चौथाईवाले भी मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि यह सोलह सदस्यीय पीएपी प्रतिनिधिमंडल भाजपा के निमंत्रण पर 17 से 21 नवंबर के बीच भारत की यात्रा पर रहा। यह यात्रा 'भाजपा को जानें' पहल का हिस्सा थी। इस यात्रा के दौरान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ बैठक के अलावा पीएपी प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं से भी मुलाकात की। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य भाजपा एवं पीएपी के बीच पार्टी-टू-पार्टी संबंधों को बढ़ाना और प्रतिनिधिमंडल को भाजपा की संरचना, कार्यप्रणाली और भविष्य के दृष्टिकोण की समझ प्रदान करना है। ■

हमारी सरकार ने जनजातीय समुदाय के लिए शिक्षा, आय और चिकित्सा-स्वास्थ्य पर बहुत जोर दिया है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 नवंबर को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष समारोह की शुरुआत के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव दिवस मनाने के क्रम में बिहार के जमुई का दौरा किया। श्री मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा के सम्मान में एक स्मारक सिक्का और डाक टिकट का अनावरण किया। उन्होंने आदिवासी समुदायों के उत्थान तथा क्षेत्र के ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में अवसंरचना सुधार के उद्देश्य से 6,640 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया।

श्री मोदी ने प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) के तहत निर्मित 11,000 आवासों के गृह प्रवेश कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने पीएम-जनमन के तहत शुरू की गई 23 मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) और आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच बढ़ाने के लिए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए) के तहत अतिरिक्त 30 एमएमयू का भी उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री ने आदिवासी उद्यमिता को बढ़ावा देने और आजीविका सृजन में सहायता के लिए 300 वन धन विकास केंद्रों (वीडीवीके) तथा आदिवासी छात्रों को समर्पित लगभग 450 करोड़ रुपये की लागत वाले 10 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों का उद्घाटन किया। उन्होंने मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा और जबलपुर में दो आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालयों तथा श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर और गंगटोक, सिक्किम में दो आदिवासी शोध संस्थानों का भी उद्घाटन किया, ताकि आदिवासी समुदायों के समृद्ध इतिहास और विरासत का दस्तावेज तैयार किया जा सके और इनका संरक्षण किया जा सके।

श्री मोदी ने आदिवासी क्षेत्रों में परिवहन-संपर्क को बेहतर बनाने के लिए 500 किलोमीटर लंबाई की नई सड़कों और पीएम जनमन के तहत सामुदायिक केंद्रों के रूप में कार्य करने के लिए 100 बहुउद्देश्यीय केंद्रों (एमपीसी) की आधारशिला रखी। उन्होंने आदिवासी बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए 1,110 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले 25 अतिरिक्त एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों की आधारशिला भी रखी।

प्रधानमंत्री ने विभिन्न विकास परियोजनाओं को भी मंजूरी दी, जिनमें शामिल हैं— पीएम जनमन के तहत लगभग 500 करोड़ रुपये की लागत से 25,000 नए आवास और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए) के तहत 1960 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 1.16 लाख आवास; पीएम जनमन के तहत 66 छात्रावास और डीएजेजीयूए के तहत 1100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 304 छात्रावास; पीएम जनमन के तहत 50 नए बहुउद्देशीय केंद्र, 55 मोबाइल मेडिकल यूनिट और 65 आंगनवाड़ी केंद्र; सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन के लिए 6 सक्षमता केंद्र और डीएजेजीयूए के तहत आश्रम स्कूलों, छात्रावासों, सरकारी आवासीय स्कूलों आदि के उन्नयन के लिए लगभग 500 करोड़ रुपये की लागत से 330 परियोजनाएं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 नवंबर को बिहार के जमुई में जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष समारोह की शुरुआत की तथा लगभग 6,640 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया।

श्री मोदी ने विभिन्न राज्यों के राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों का स्वागत किया, जो भारत के विभिन्न जिलों में जनजातीय दिवस समारोहों में भाग ले रहे हैं। उन्होंने उन असंख्य जनजातीय भाइयों और बहनों का भी स्वागत किया, जो पूरे भारत से इस कार्यक्रम में वर्चुअल रूप में शामिल हुए हैं। आज के दिन को बहुत पवित्र बताते हुए श्री मोदी ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा, देव दीपावली के साथ-साथ श्री गुरु नानक देव जी की 555वीं जयंती भी मनाई जा रही है तथा उन्होंने देशवासियों को इन त्योहारों की बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का दिन देशवासियों के लिए भी ऐतिहासिक है, क्योंकि आज भगवान बिरसा मुंडा की जयंती जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जा रही है। उन्होंने देशवासियों और विशेष रूप से जनजातीय भाइयों और बहनों को बधाई दी।

पिछले वर्ष जनजातीय गौरव दिवस पर धरती आबा बिरसा मुंडा के जन्म गांव उलिहातु में होने का स्मरण करते हुए श्री मोदी ने कहा कि इस वर्ष वे उस स्थान पर हैं, जिसने शहीद तिलका मांझी की वीरता देखी है।

उन्होंने कहा कि यह अवसर और भी विशेष है, क्योंकि देश भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष समारोह की शुरुआत कर रहा है। श्री मोदी ने कहा कि यह समारोह आगामी वर्ष भी जारी रहेगा। प्रधानमंत्री ने बिहार के जमुई में आज के कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से शामिल हुए विभिन्न गांवों के एक करोड़ लोगों को भी बधाई दी। श्री मोदी ने कहा कि उन्हें आज बिरसा मुंडा के वंशज श्री बुधराम मुंडा और सिद्धू कान्हू के वंशज श्री मंडल मुर्मु का स्वागत करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

जनजातीय गौरव दिवस के आज के आयोजन और जनजातीय गौरव वर्ष की शुरुआत पर प्रकाश डालते हुए श्री मोदी ने कहा कि यह समारोह एक बड़े ऐतिहासिक अन्याय को ठीक करने का एक ईमानदार प्रयास है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद के दौर में जनजातियों को समाज में वह मान्यता नहीं मिली, जिसके वे हकदार थे। जनजातीय समाज के योगदान पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह जनजातीय समाज ही था, जिसने राजकुमार राम को भगवान राम में बदल दिया और साथ ही भारत की संस्कृति और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सदियों तक लड़ाई का नेतृत्व किया। हालांकि, उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद के दशकों में स्वार्थी राजनीति के कारण जनजातीय समाज के ऐसे महत्वपूर्ण योगदान को मिटाने का प्रयास किया गया।

भारत की आजादी में जनजातियों का बहुत बड़ा योगदान

उलगुलान आंदोलन, कोल विद्रोह, संथाल विद्रोह, भील आंदोलन जैसे भारत की आजादी के लिए जनजातियों के विभिन्न योगदानों की जिक्र करते हुए श्री मोदी ने कहा कि जनजातियों का योगदान बहुत बड़ा है। उन्होंने कहा कि पूरे भारत के विभिन्न जनजातीय नेता जैसे अल्लूरी सीतारमन राजू, तिलका मांझी, सिधू कान्हू, बुधू भगत, तेलंग खारिया, गोविंदा गुरु, तेलंगाना के रामजी गोंड, मध्य प्रदेश के बादल भोई, राजा शंकर शाह, कुवर रघुनाथ शाह, टंट्या भील, जात्रा भगत, लक्ष्मण नाइक, मिजोरम के रोपुइलियानी, राज मोहिनी देवी, रानी गाइदिन्ल्यू, कालीबाई, रानी दुर्गावती देवी और कई अन्य लोगों को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। श्री मोदी ने यह भी कहा कि मानगढ़ नरसंहार को भुलाया नहीं जा सकता, जहां अंग्रेजों ने हजारों जनजातियों को मार डाला था।

श्री मोदी ने कहा, "हमारी सरकार का ध्यान आदिवासी समाज की शिक्षा, आय और चिकित्सा पर है।" उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की खुशी है कि आदिवासी बच्चे चिकित्सा, इंजीनियरिंग, सशस्त्र बलों या विमानन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में आगे आ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि उनकी सरकार ने पिछले एक दशक में 2 नए आदिवासी विश्वविद्यालय जोड़े हैं, जबकि आजादी के बाद के छह दशकों में केवल एक केंद्रीय आदिवासी विश्वविद्यालय था। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में आदिवासी बहुल क्षेत्रों में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के साथ-साथ कई डिग्री और इंजीनियरिंग कॉलेज शुरू किए गए हैं। श्री मोदी ने यह भी कहा कि पिछले दशक में आदिवासी क्षेत्रों में 30 नए मेडिकल कॉलेज शुरू किए गए हैं और बिहार के जमुई समेत कई नए मेडिकल कॉलेजों में काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि देश भर में 7000 एकलव्य स्कूलों का एक मजबूत नेटवर्क भी विकसित किया जा रहा है।

करीब 90 वन उत्पाद न्यूनतम समर्थन मूल्य के दायरे में

प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के 70 साल बाद भी बांस से जुड़े कानून बहुत सख्त थे, जिससे आदिवासी समाज को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने बांस की खेती से जुड़े कानूनों को आसान बनाया है। श्री मोदी ने कहा कि करीब 90 वन उत्पादों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के दायरे में लाया गया है, जबकि पहले 8-10 वन उत्पाद ही इसके दायरे में आते थे। उन्होंने कहा कि आज भारत में 4,000 से अधिक वन धन केंद्र संचालित हो रहे हैं, जिससे करीब 12 लाख आदिवासी किसानों को मदद मिल रही है।

श्री मोदी ने कहा, "लखपति दीदी योजना की शुरुआत से अब तक करीब 20 लाख आदिवासी महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं।"

अपने संबोधन का समापन करते हुए श्री मोदी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती हमें बड़े संकल्प लेने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे आदिवासी विचारों को नए भारत के निर्माण का आधार बनाएं, आदिवासी विरासत को संरक्षित करें, आदिवासी समाज द्वारा सदियों से संरक्षित की गई चीजों को जानें, ताकि एक मजबूत, समृद्ध और शक्तिशाली भारत का निर्माण सुनिश्चित किया जा सके।

इस अवसर पर बिहार के राज्यपाल श्री राजेंद्र आर्लेकर, बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार, केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री जुएल ओराम, केंद्रीय एमएसएमई मंत्री श्री जीतन राम मांझी, केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह, केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री चिराग पासवान, केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री श्री दुर्गा दास उइके सहित अन्य लोग उपस्थित थे। ■

नई दिल्ली में सराय काले खां चौक का नाम बदलकर 'भगवान बिरसा मुंडा चौक' व उनकी भव्य प्रतिमा का अनावरण हुआ

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने भगवान बिरसा मुंडा के 150वें जयंती वर्ष के अवसर पर 15 नवंबर को नई दिल्ली के बांसेरा उद्यान में उनकी भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर केन्द्रीय शहरी कार्य एवं आवासन मंत्री श्री मनोहर लाल, दिल्ली के उप-राज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना, केन्द्रीय मंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा थी। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन झारखंड के एक छोटे से गांव में भगवान बिरसा मुंडा का जन्म हुआ था। श्री शाह ने कहा कि बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 15 नवंबर, 2025 तक आगामी एक वर्ष 'आदिवासी गौरव वर्ष' के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वें जयंती वर्ष के अवसर पर मोदी सरकार ने सराय काले खां चौक का नाम बदलकर 'भगवान बिरसा मुंडा चौक' करने का निर्णय भी लिया है।

श्री शाह ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा आदिवासियों के लिए अपनी मूल संस्कृति के उद्धारक तो बने ही, साथ ही उन्होंने 25 वर्ष की अल्पायु में देश के अनेक लोगों के लिए अपने कृत्यों के माध्यम से इस बात की व्याख्या की कि जीवन कैसा व किसके लिए होना चाहिए और जीवन का ध्येय क्या होना चाहिए। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर भगवान बिरसा मुंडा आजादी के महानायकों में से एक हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि बहुत कम उम्र में भगवान बिरसा मुंडा ने अपनी सेकंडरी शिक्षा के दौरान धर्मांतरण के खिलाफ आवाज उठाई थी। जब पूरे भारत और दो-तिहाई दुनिया पर अंग्रेजों का शासन था, उस समय बालक बिरसा मुंडा ने धर्मांतरण के खिलाफ दृढ़ता से खड़ा होने की वीरता दिखाई और आगे चलकर यह दृढ़ता और वीरता इस देश के एक नायक के रूप में परिवर्तित हुई। उन्होंने कहा कि रांची की जेल से इंग्लैंड की महारानी तक राष्ट्र नायक बिरसा मुंडा जी देशवासियों की आवाज बने थे।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जल, जंगल और जमीन के संस्कार को पुनर्जीवित किया और कहा कि आदिवासियों के लिए यही सब कुछ है। बिरसा मुंडा ने समाज में कई प्रकार की जागरूकता लाने का काम किया। उन्होंने मदिरा पान, जमींदारों की शोषण युक्त व्यवस्था और ब्रिटिश राज का विरोध किया। श्री शाह ने कहा कि सामाजिक सुधार और स्वतंत्रता संघर्ष एवं धर्मांतरण विरोधी आंदोलन के लिए पूरा देश भगवान बिरसा मुंडा का सदैव आभारी रहेगा। ■

दरभंगा एम्स के शुरू होने से बिहार के स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक बदलाव आएगा: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 13 नवंबर को बिहार के दरभंगा में लगभग 12,100 करोड़ रुपये लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इन विकास परियोजनाओं में स्वास्थ्य, रेल, सड़क, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र शामिल हैं।

स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे को इस क्षेत्र में बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री ने दरभंगा में 1,260 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले एम्स की आधारशिला रखी है। इसमें एक सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल/आयुष ब्लॉक, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, रैन बसेरा और आवासीय सुविधाएं होंगी। यह बिहार और आस-पास के क्षेत्रों के लोगों को स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं प्रदान करेगा।

इन विकासात्मक परियोजनाओं का मुख्य लक्ष्य सड़क और रेल क्षेत्रों में नई परियोजनाओं के माध्यम से इस क्षेत्र में संपर्क सुविधा को बढ़ावा देना है। श्री मोदी ने बिहार में लगभग 5,070 करोड़ रुपये लागत वाली कई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

प्रधानमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार के साथ-साथ पूरा भारत प्रमुख विकास लक्ष्यों की प्रगति का साक्षी बन रहा है। उन्होंने कहा कि पहले योजनाएं और परियोजनाएं सिर्फ कागजों पर ही सीमित रहती थीं, लेकिन आज उन्हें सफलतापूर्वक वास्तविक रूप से लागू किया जा रहा है। श्री मोदी ने कहा, "हम विकसित भारत की ओर दृढ़ता से आगे बढ़ रहे हैं।" ■

जनजातीय गौरव दिवस
जनजातीय विरासत का जश्न

> भगवान बिरसा मुंडा ने हमें सिखाया कि हमें कैसे अपने परिवेश के साथ सद्भाव की भावना के साथ रहना है और अपनी संस्कृति पर गर्व करना है। उनसे प्रेरित होकर हम उनके सपनों को पूरा करने और हमारे आदिवासी समुदायों को सशक्त बनाने के लिए काम कर रहे हैं।
>
> प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

वर्ष 2021 से जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों का सम्मान करने के लिए पूरे भारत में जनजातीय गौरव दिवस बेहद उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समुदायों ने आंदोलनों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिनमें संथाल, तामार, कोल, भील, खासी और मिज़ो जैसे अन्य समुदाय शामिल हैं। बिरसा मुंडा के नेतृत्व में उलगुलान (क्रांति) जैसे ब्रिटिश शासन के खिलाफ आदिवासी आंदोलन न केवल ब्रिटिश अत्याचार को चुनौती देने की दिशा में बेहद महत्वपूर्ण थे, बल्कि इसने राष्ट्रीय जागृति को भी प्रेरित किया। आदिवासी समुदायों द्वारा भगवान के रूप में पूज्यनीय बिरसा मुंडा ने शोषणकारी औपनिवेशिक व्यवस्था के खिलाफ एक उग्र आंदोलन का नेतृत्व किया, जिसके चलते 15 नवंबर को उनकी जयंती आदिवासी नायकों का सम्मान करने का एक उचित अवसर बन गया। यह सुनिश्चित करने के लिए कि इन गुमनाम नायकों के बलिदान को कभी नहीं भुलाया जाए, भारत सरकार ने देश की स्वतंत्रता के 75 वर्षों का जश्न मनाते हुए वर्ष 2021 में आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में घोषित किया

जनजातीय समुदायों के कल्याण के लिए योजनाएं

जनजातीय गौरव दिवस के अलावा केंद्र सरकार ने सामाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण, सतत् विकास तथा सांस्कृतिक संरक्षण के जरिए जनजातीय समुदायों का समर्थन करने के लिए कई कार्यक्रमों और पहलों की शुरुआत की है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की अनुसूचित जनजाति (एसटी) की आबादी 10.42 करोड़ या कुल आबादी का 8.6% है, जिसमें दूरस्थ और अक्सर दुर्गम क्षेत्रों में फैले 705 से अधिक विशिष्ट समूह शामिल हैं। इन समुदायों के उत्थान के लिए सरकार ने विभिन्न योजनाओं को लागू किया है, जो उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, आर्थिक अवसरों में सुधार और आदिवासी संस्कृति को संरक्षित करने, उनके समग्र विकास और राष्ट्रीय मुख्यधारा में एकीकरण सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करती हैं।

जनजातीय विकास के लिए सरकार की पहल और वित्तीय सहायता

जनजातीय विकास के लिए भारत सरकार के प्रयास 1974-75 में जनजातीय उप-योजना (टीएसपी) के साथ शुरू हुए, जो अनुसूचित जनजाति घटक (एसटीसी) और अनुसूचित जनजातियों के लिए विकास कार्य योजना (डीएपीएसटी) के रुप में विकसित हुए। इन पहलों ने विभिन्न मंत्रालयों में समन्वित जनजातीय कल्याण भी सुनिश्चित किया। वित्तीय सहायता में काफी वृद्धि हुई है, डीएपीएसटी बजट 25,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 2023-24 में 1.2 लाख करोड़ रुपये हो गया है। वर्ष 2024-25 के लिये केंद्रीय बजट में जनजातीय मामलों के मंत्रालय को 13,000 करोड़ रुपए आवंटित किये गये हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 73.60% अधिक है।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ

2 अक्टूबर, 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झारखंड के हजारीबाग में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की शुरुआत की। 79,156 करोड़ रुपये से अधिक के परिव्यय के साथ इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम का मकसद करीब 63,843 आदिवासी गांवों में सामाजिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका विकास की राह आसान बनाना है। यह अभियान 30 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों (यूटी) में फैले 549 जिलों और 2,911 ब्लॉकों में 5.38 करोड़ से अधिक आदिवासी लोगों को लाभान्वित करता है। इसके ज़रिए भारत सरकार के 17 मंत्रालयों और विभागों में 25 हस्तक्षेपों को एकीकृत किया गया।

प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन)

धरती आबा कार्यक्रम के साथ-साथ प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) के तहत परियोजनाओं का शुभारंभ किया। यह महत्वपूर्ण पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 नवंबर, 2023 को झारखंड के खूंटी जिले में जनजातीय गौरव दिवस के दौरान शुरू की गई थी। इसका मकसद विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) का उत्थान करना है। 2023-24 से 2025-26 के लिए 24,104 करोड़ रुपये के बजट के साथ यह पहल आधार नामांकन, सामुदायिक प्रमाण पत्र, पीएम-जनधन योजना और आयुष्मान कार्ड सहित लक्षित समर्थन के माध्यम से पीवीटीजी समुदायों के लिए जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने पर

केंद्रित है। मिशन पीवीटीजी परिवारों को सशक्त बनाने और उन्हें देश की सामाजिक-आर्थिक मुख्यधारा में एकीकृत करने के लिए प्रभावी पहुंच, स्थानीय जुड़ाव और मजबूत समन्वय पर जोर देता है।

प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना (पीएमएएजीवाई)

प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना (पीएमएएजीवाई) का मकसद सार्थक आदिवासी आबादी वाले गांवों में बुनियादी ढांचा प्रदान करना है। इस योजना के तहत इन गांवों में बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए 50% जनजातीय आबादी वाले और 500 अनुसूचित जनजातियों (एसटी) वाले 36428 गांवों की पहचान की गई है, जिसमें नीति आयोग द्वारा पहचाने गए आकांक्षी जिलों के गांव भी शामिल हैं।

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस)

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) को 2018-19 में दूरदराज के क्षेत्रों में अनुसूचित जनजाति (एसटी) के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने, उन्हें उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए केंद्रीय क्षेत्र की योजना के हिस्से के रूप में शुरू किया गया था। ये स्कूल नवोदय पद्धति का पालन करते हैं और कक्षा VI से XII तक 480 छात्रों को शामिल करते हैं।

अब तक इन स्कूलों में 1.29 लाख आदिवासी छात्रों ने दाखिला लिया है। सरकार ने कुल 728 ईएमआरएस स्कूलों को मंजूरी दी है, जिसमें 440 नए स्कूलों को (12 ओवरलैपिंग स्थानों को छोड़कर) वर्तमान योजना के तहत स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है, जिससे आदिवासी समुदायों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच का विस्तार होगा।

जनजातीय सशक्तीकरण के लिए प्रमुख सरकारी छात्रवृत्ति और अनुदान

आदिवासी समुदायों को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा और कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए सरकार विभिन्न छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाएं

इन छात्रवृत्तियों का उद्देश्य ड्रॉपआउट दर को कम करना और आदिवासी छात्रों की शिक्षा का समर्थन करना है:

मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्तिः कक्षा IX और X में एसटी छात्रों के लिए वित्तीय सहायता, माध्यमिक शिक्षा में बदलाव को बढ़ावा देना।

पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्तिः उच्च शिक्षा का समर्थन करते हुए कक्षा XI से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों तक के एसटी छात्रों के लिए वित्तीय सहायता।

एसटी छात्रों के लिए राष्ट्रीय विदेशी छात्रवृत्ति

यह योजना मेधावी एसटी छात्रों को अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर, डॉक्टरेट और पोस्ट-डॉक्टरल अध्ययन करने का अवसर प्रदान करती है। उत्कृष्टता और वैश्विक प्रदर्शन पर जोर देने के साथ सरकार सालाना 20 पुरस्कार भी देती है, जिसमें 30% महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है।

एसटी छात्रों के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप

यह फेलोशिप योजना पूरी तरह से डिजिटल प्रक्रिया के ज़रिए उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले आदिवासी छात्रों की मदद करती है, जिससे डिजिलॉकर एकीकरण के माध्यम से समय पर वित्तीय सहायता और शिकायत निवारण सुनिश्चित होता है।

आय सृजन और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए योजनाएं

सरकार ने आय सृजन और आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए आदिवासी समुदायों को सशक्त बनाने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं।

टर्म लोन स्कीम 5 से 10 साल की पुनर्भुगतान शर्तों के साथ व्यावसायिक लागत का 90% तक सॉफ्ट लोन प्रदान करती है।

आदिवासी महिला सशक्तीकरण योजना (एएमएसवाई) आदिवासी महिलाओं के लिए 4% ब्याज पर 2 लाख रुपये तक का रियायती ऋण प्रदान करती है।

माइक्रो क्रेडिट योजना 5 लाख रुपये तक के ऋण की सुविधा के साथ आदिवासी स्वयं सहायता समूहों की मदद करती है।

आदिवासी शिक्षा ऋण योजना (एआरएसवाई) उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले आदिवासी छात्रों के लिए सॉफ्ट लोन प्रदान करती है। इन कदमों का मकसद आदिवासी आबादी में उद्यमिता, शिक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है।

स्वास्थ्य पहल

सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन

प्रधानमंत्री द्वारा 1 जुलाई, 2023 को मध्य प्रदेश में शुरू किए गए इस मिशन का मकसद सिकल सेल रोग (एससीडी) का उन्मूलन करना है, जो मध्य, पश्चिमी और दक्षिणी भारत में आदिवासी आबादी के बीच प्रचलित एक आनुवंशिक रक्त विकार है।

मिशन इंद्रधनुष

यह प्रतिरक्षण अभियान जनजातीय समुदायों पर खास जोर देते हुए दो वर्ष तक की आयु के बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित करने पर केंद्रित है। इस मिशन ने कोविड-19 के मुफ्त टीके प्रदान करने के लिए अपनी सेवाओं का विस्तार किया है, जिससे आदिवासी आबादी के लिए स्वास्थ्य सेवा पहुंच सुनिश्चित हो गई है। इस मिशन का लक्ष्य टीकाकरण दरों में वृद्धि करना और खासकर जनजातीय क्षेत्रों में कम सुविधाओं वाले क्षेत्रों में बीमारियों

शेष पृष्ठ २३ पर...

ग्रामीण भारत के लिए बेहतर भविष्य का निर्माण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दृष्टि और ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में गरीब लोगों के लिए पक्के मकान बनाने और उपलब्ध कराने की सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता के कारण मई, 2014 में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (2015) और ग्रामीण (2016) का शुभारंभ हुआ

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-ग्रामीण) 20 नवंबर, 2016 को शुरू की गई, जिसका लक्ष्य समाज के सबसे गरीब वर्गों के लिए आवास प्रदान करना था। लाभार्थियों का चयन कठोर तीन-चरणीय सत्यापन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है जिसमें सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (एसईसीसी 2011) और आवास+ (2018) सर्वेक्षण, ग्राम सभा अनुमोदन और जियो-टैगिंग शामिल है। इससे सुनिश्चित होता है कि सहायता सबसे योग्य व्यक्तियों तक पहुंचे। इस योजना में कुशल निधि संवितरण के लिए आईटी और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) को भी शामिल किया गया है। इसने विभिन्न निर्माण चरणों में जियो-टैग की गई तस्वीरों के माध्यम से क्षेत्र-विशिष्ट आवास डिजाइन और साक्ष्य-आधारित निगरानी भी लागू की है।

मूल रूप से 2023-24 तक 2.95 करोड़ मकानों को पूरा करने का लक्ष्य रखते हुए इस योजना को 2 करोड़ और मकानों के साथ बढ़ाया गया, जिसमें वित्त वर्ष 2024-29 के लिए 3,06,137 करोड़ रुपये का कुल परिव्यय और वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 54,500 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में 9 अगस्त, 2024 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मैदानी क्षेत्रों में 1.20 लाख रुपये और पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्यों एवं पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में 1.30 लाख रुपये की मौजूदा इकाई सहायता पर दो करोड़ और मकानों के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

आवेदन प्रक्रिया

पीएमएवाई-जी के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए लाभार्थियों को सरल ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया https://web.umang.gov.in/landing/department/pmayg.html से गुजरना होगा।

पीएमएवाई-जी के तहत प्रगति

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के तहत सरकार ने 3.32 करोड़ मकान बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। 19 नवंबर, 2024 तक 3.21 करोड़ मकानों को मंजूरी दी गई है और 2.67 करोड़ मकान पूरे हो चुके हैं, जिससे लाखों ग्रामीण परिवारों की रहने की स्थिति में काफी सुधार हुआ है।

इस योजना में महिला सशक्तीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया गया है, जिसमें 74% स्वीकृत मकानों का स्वामित्व पूरी तरह से या संयुक्त रूप से महिलाओं के पास है। यह योजना अब महिलाओं को 100% स्वामित्व प्रदान करने की आकांक्षा रखती है। कुशल रोजगार भी प्राथमिकता रही है। लगभग 3 लाख ग्रामीण राजमिस्त्रियों को आपदा-रोधी निर्माण में प्रशिक्षित किया गया है, जिससे उनकी रोजगार क्षमता में वृद्धि हुई है।

दो करोड़ से अधिक परिवारों के लिए मकानों के निर्माण से लगभग दस करोड़ व्यक्तियों को लाभ होने की उम्मीद है। इस मंजूरी से बिना आवास वाले सभी लोगों और जीर्ण-शीर्ण और कच्चे घरों में रहने वाले लोगों के लिए सभी बुनियादी सुविधाओं के साथ अच्छी गुणवत्ता वाले सुरक्षित मकानों के निर्माण की सुविधा मिलेगी। इससे लाभार्थियों की सुरक्षा, स्वच्छता और सामाजिक समावेशन सुनिश्चित होगा।

पीएमएवाई-जी की मुख्य विशेषताएं हैं:

- 25 वर्ग मीटर की न्यूनतम इकाई (मकान) का आकार, जिसमें स्वच्छ खाना पकाने के लिए समर्पित क्षेत्र भी शामिल है।
- लाभार्थी स्थानीय सामग्रियों और प्रशिक्षित राजमिस्त्रियों का उपयोग करके गुणवत्तापूर्ण मकान बनाते हैं।
- लाभार्थी को मानक सीमेंट कंक्रीट मकान डिजाइनों के बजाय संरचनात्मक रूप से सुदृढ़, सौंदर्यपूर्ण, सांस्कृतिक और पर्यावरण की दृष्टि से उपयुक्त मकान डिजाइनों का विस्तृत चयन की सुविधा उपलब्ध है।

निर्माण के लिए संस्थागत ऋण

- पात्र लाभार्थियों को उनके पक्के मकान के निर्माण के लिए 3% कम ब्याज दर पर 70,000 रुपये तक का ऋण उपलब्ध है।
- अधिकतम मूल राशि जिसके लिए सब्सिडी का लाभ उठाया जा सकता है वह 2,00,000 रुपये है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि निर्माण लागत व्यापक रूप से कवर की गई है।
- यह अतिरिक्त ऋण सहायता लाभार्थियों पर वित्तीय बोझ को कम करने में मदद करती है, जिससे ग्रामीण परिवारों के लिए गृह निर्माण किफायती हो जाता है।

बेहतर लाभ के लिए सरकारी योजनाओं के साथ अभिसरण

पीएमएवाई-जी ग्रामीण परिवारों के लिए व्यापक सहायता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न अन्य सरकारी पहलों के साथ मिलकर काम करती है। इन योजनाओं का उद्देश्य स्वच्छता, रोजगार, खाना पकाने के

ईंधन और जल आपूर्ति जैसी कई जरूरतों को पूरा करके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है।

स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण (एसबीएम-जी): ग्रामीण घरों में बेहतर स्वच्छता सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए लाभार्थियों को शौचालय बनाने के लिए 12,000 रुपये तक मिलते हैं।

मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम): पात्र परिवार अकुशल श्रमिक के रूप में 95 दिनों का रोजगार प्राप्त कर सकते हैं, विशेष रूप से ग्रामीण राजमिस्त्री प्रशिक्षण के तहत 90.95 रुपये की दैनिक मजदूरी प्राप्त कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई): इस योजना के तहत प्रत्येक घर मुफ्त एलपीजी कनेक्शन का हकदार है, जो स्वच्छ और सुरक्षित खाना पकाने के ईंधन को बढ़ावा देता है।

पाइप्ड पेयजल और बिजली कनेक्शन: लाभार्थियों को पाइप्ड पेयजल और बिजली कनेक्शन सुलभ कराने की सुविधा प्रदान की जाती है, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार होता है और असुरक्षित पानी और अनियमित बिजली आपूर्ति से जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों में कमी आती है।

सामाजिक और तरल अपशिष्ट प्रबंधन: पीएमएवाई-जी लाभार्थियों के लिए बेहतर स्वास्थ्य और स्वच्छता सुनिश्चित करने, अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सरकारी कार्यक्रमों के साथ भी जुड़ती है।

भुगतान स्थानांतरण प्रक्रिया

पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए पीएमएवाई-जी के तहत सभी भुगतान इलेक्ट्रॉनिक रूप से किए जाते हैं। भुगतान सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों या डाकघर खातों में स्थानांतरित किया जाता है जो आधार से जुड़े होते हैं। इससे यह सुनिश्चित होता है कि धनराशि बिना किसी देरी के इच्छित प्राप्तकर्ताओं तक पहुंच जाए।

तकनीकी नवाचार यहां महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान

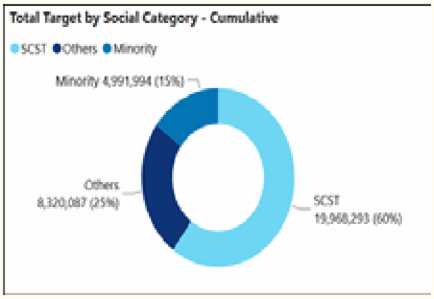

(सीबीआरआई) के सहयोग से आवास+ 2024 मोबाइल ऐप आधार-आधारित चेहरे प्रमाणीकरण और 3डी हाउस डिजाइन के साथ पारदर्शी लाभार्थी पहचान सुनिश्चित करता है। इससे लाभार्थी उपयुक्त डिजाइन चुनने में सक्षम होते हैं।

लाभार्थियों के लिए पात्रता मानदंड

विशिष्ट मानदंडों का उपयोग करके पीएमएवाई-जी के लाभार्थियों की पहचान की जाती है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि सबसे योग्य परिवारों, विशेष रूप से आवास अभाव का सामना करने वाले लोगों को प्राथमिकता दी जाती है।

इस योजना के तहत लाभार्थियों की पहचान एसईसीसी 2011 और आवास+ (2018) सर्वेक्षणों के माध्यम से की जाती है, जिन्हें ग्राम सभाओं द्वारा सत्यापित किया जाता है। पिछले एक दशक में एसईसीसी 2011 की स्थायी प्रतीक्षा सूची पूरी हो गई है और 20 से अधिक राज्यों की आवास+ 2018 सूची भी पूरी हो गई है।

पात्रता मानदंड इस प्रकार हैं:

आवासहीन परिवार: बिना आश्रय वाले सभी परिवार।

कच्चे घरों वाले परिवार: सामाजिक आर्थिक और जाति जनगणना (एसईसीसी) 2011 के अनुसार कच्ची दीवारों और कच्ची छत वाले घरों या शून्य, एक या दो कमरों वाले घरों में रहने वाले परिवार।

अनिवार्य समावेशन मानदंड

निम्नलिखित श्रेणियों के लोग स्वचालित रूप से लाभार्थियों की सूची में शामिल हो जाते हैं:

- निराश्रित परिवार या भिक्षा पर जीवन यापन करने वाले।
- मैनुअल मैला ढोने वाले
- आदिम जनजातीय समूह
- कानूनी तौर पर रिहा किये गये बंधुआ मजदूर

पात्र लाभार्थियों के दायरे में निम्नलिखित श्रेणियों को प्राथमिकता दी जाएगी:

- बेघर परिवार
- शून्य या कम कमरे वाले घर (एक से अधिक कमरे वाले घरों के मामले में, कम कमरे वाले घरों को प्राथमिकता दी जाएगी)।

निम्नलिखित सामाजिक-आर्थिक मापदंडों का उपयोग करके गणना किए गए संचयी अभाव स्कोर के आधार पर विशेष प्राथमिकता भी दी जाएगी:

- ऐसे परिवार जिनमें 16 से 59 वर्ष की आयु का कोई वयस्क सदस्य नहीं है।
- महिला मुखिया वाले परिवार जिनमें कोई वयस्क पुरुष सदस्य नहीं है।
- वे परिवार जिनमें 25 वर्ष से अधिक आयु का कोई साक्षर वयस्क नहीं है।
- ऐसे परिवार जिनमें एक दिव्यांगजन सदस्य है और कोई सक्षम वयस्क नहीं है।
- भूमिहीन परिवार शारीरिक आकस्मिक श्रम पर निर्भर हैं।

लक्ष्यों का निर्धारण

पीएमएवाई-जी विशिष्ट वंचित समूहों के लिए लक्षित सहायता भी सुनिश्चित करती है:

अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी): यह योजना एससी/एसटी परिवारों के लिए न्यूनतम 60% लक्ष्य आरक्षित करती है, जिसमें 59.58 लाख एससी घर और 58.57 लाख एसटी घर पूरे हो गए हैं।

'सभी के लिए आवास' के उद्देश्य को पूरा करने के लिए एक और महत्वपूर्ण पहल धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष

अभियान है जो जनजातीय विकास पर केंद्रित है, जिसमें 63,843 गांवों को शामिल किया गया है, जिससे 30 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के 5 करोड़ से अधिक जनजातीय लोगों को लाभ मिलता है। यह पहल आवास और सामाजिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका में महत्वपूर्ण अंतराल को दूर करती है। इससे 72.31 लाख आदिवासी परिवार पहले से ही लाभान्वित हो रहे हैं।

लक्ष्य का 5% अलग-अलग दिव्यांग लाभार्थियों के लिए आरक्षित है और अन्य 5% ओडिशा में फानी चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित परिवारों के लिए आवास को प्राथमिकता देता है।

अल्पसंख्यकः राष्ट्रीय स्तर पर कुल धनराशि का 15% अल्पसंख्यक परिवारों के लिए निर्धारित किया गया है। राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के बीच लक्ष्यों का आवंटन जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार अल्पसंख्यकों की आनुपातिक ग्रामीण आबादी पर आधारित है।

बहिष्करण की शर्त

कुछ परिवारों को उनकी वित्तीय स्थिति और संपत्ति के आधार पर योजना से बाहर रखा गया है। निम्नलिखित परिवारों को स्वचालित रूप से बाहर कर दिया जाएगाः

- जिन परिवारों के पास किसान क्रेडिट कार्ड है और उनकी क्रेडिट सीमा 50,000 रुपये या उससे अधिक है।
- सरकारी कर्मचारी या गैर-कृषि उद्यम वाले।
- 15,000 रुपये से अधिक मासिक आय वाले या आयकर का भुगतान करने वाले परिवार।
- जिन परिवारों के पास रेफ्रिजरेटर, लैंडलाइन फोन या सिंचित भूमि (2.5 एकड़ से अधिक) जैसी संपत्ति है।
- समावेशिता को बढ़ाने के लिए बहिष्करण मानदंड को 13 से घटाकर 10 कर दिया गया है, मछली पकड़ने वाली नाव या मोटर चालित दोपहिया वाहन के स्वामित्व जैसी शर्तों को हटा दिया गया है और आय सीमा को बढ़ाकर 15,000 रुपये प्रति माह कर दिया गया है।

निष्कर्ष

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) ने सुरक्षित आवास प्रदान करके लाखों ग्रामीण परिवारों की जीवन स्थितियों को बदलने में उल्लेखनीय प्रगति की है। पीएमएवाई-जी आवास योजना से कहीं अधिक है— यह ग्रामीण भारत को सशक्त बनाने, सामाजिक समानता सुनिश्चित करने और हाशिए पर रहने वाले समुदायों के उत्थान के लिए आंदोलन है। दो करोड़ अतिरिक्त घरों के निर्माण के लिए हालिया मंजूरी के साथ केंद्र सरकार 'सभी के लिए आवास' लक्ष्य हासिल करने की प्रतिबद्धता को मजबूत कर रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक पात्र परिवार को गुणवत्तापूर्ण आवास और सम्मानजनक जीवन मिले। ■

पृष्ठ २० का शेष भाग...

को कम करना है।

निक्षय मित्र पहल

निक्षय मित्र पहल तपेदिक (टीबी) को लक्षित करती है, जो टीबी रोगियों, विशेष रूप से आदिवासी समुदायों के लोगों को नैदानिक, पोषण और व्यावसायिक सहायता प्रदान करती है। यह टीबी रोगियों के लिए अतिरिक्त सहायता प्रदान करती है, जिसमें स्वास्थ्य लाभ बढ़ाने के लिए पोषण संबंधी सहायता और वोकेशनल प्रशिक्षण भी शामिल है। जनजातीय क्षेत्रों में टीबी से प्रभावी ढंग से निपटने, स्वास्थ्य परिणामों में सुधार करने और प्रारंभिक पहचान और उपचार के पालन को प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित करना इसका उद्देश्य है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) और हीमोग्लोबिनोपैथी दिशानिर्देश

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने सिकल सेल रोग (एससीडी) सहित हीमोग्लोबिनोपैथी की रोकथाम और उस पर नियंत्रण के लिए व्यापक दिशानिर्देश विकसित किए हैं, जिसकी जानकारी जनजातीय आबादी को विदित है। एससीडी के गंभीर प्रभाव को देखते हुए सरकार स्क्रीनिंग, जागरूकता अभियानों और स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच में सुधार के ज़रिए इसके उन्मूलन की दिशा में प्रयास तेज कर रही है।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजनाः मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में मदद करती है, आदिवासी महिलाओं को प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर देखभाल के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

भारत के जनजातीय समुदायों का सम्मान और जश्न

जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों का सम्मान करने के लिए केंद्र सरकार ने उन राज्यों में जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के 10 संग्रहालयों की स्थापना को मंजूरी दी है, जहां जनजातीय समुदाय ने ब्रिटिश शासन का जमकर विरोध किया था। 1 नवंबर, 2022 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में मानगढ़ धाम को विकसित करने की योजना की घोषणा की। यह वो स्थल था, जहां 1913 में ब्रिटिश नरसंहार के दौरान 1,500 से अधिक भील स्वतंत्रता सेनानी शहीद हो गए थे। राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच का एक सहयोगात्मक प्रयास के रुप में यह स्मारक जनजातीय समुदाय की दृढ़ इच्छा शक्ति और सांस्कृतिक विरासत के लिए एक राष्ट्रीय श्रद्धांजलि के रूप में काम करेगा। ■

अप्रैल-अक्टूबर 2024 के दौरान कुल निर्यात 7.28 प्रतिशत बढ़कर 468.27 बिलियन अमरीकी डॉलर रहने का अनुमान

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा 14 नवंबर को जारी विज्ञप्ति के अनुसार अप्रैल-अक्टूबर 2023 की अवधि के 436.48 बिलियन अमरीकी डॉलर की तुलना में अप्रैल-अक्टूबर 2024 के दौरान संचयी समग्र निर्यात 7.28 प्रतिशत (अनुमानित) बढ़कर 468.27 बिलियन अमरीकी डॉलर रहने का अनुमान है।

अप्रैल-अक्टूबर 2024 के दौरान व्यापारिक निर्यात 252.28 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा, जबकि अप्रैल-अक्टूबर 2023 के दौरान यह 244.51 बिलियन अमरीकी डॉलर था। अप्रैल-अक्टूबर 2024 के दौरान सेवा निर्यात का अनुमानित मूल्य 215.98 बिलियन अमेरिकी डॉलर है, जबकि अप्रैल-अक्टूबर 2023 में यह 191.97 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।

अप्रैल-अक्टूबर 2024 की अवधि में 211.34 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य का संचयी गैर-पेट्रोलियम निर्यात रहा, जिसमें अप्रैल-अक्टूबर 2023 के 196.88 अरब अमेरिकी डॉलर की तुलना में 7.34 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। अप्रैल-अक्टूबर 2024 का गैर-पेट्रोलियम व्यापारिक निर्यात अप्रैल-अक्टूबर 2022 के 206.2 बिलियन अमरीकी डॉलर के रिकॉर्ड को पार कर गया।

अप्रैल-अक्टूबर 2024 के दौरान कुल आयात 531.51 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहने का अनुमान है, जो 7.05 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। अप्रैल-अक्टूबर 2024 के दौरान व्यापारिक आयात 416.93 बिलियन अमरीकी डॉलर था, जबकि अप्रैल-अक्टूबर 2023 के दौरान यह 394.18 बिलियन अमरीकी डॉलर था। अप्रैल-अक्टूबर 2024 के दौरान सेवा आयात का अनुमानित मूल्य 114.57 बिलियन अमेरिकी डॉलर है, जबकि अप्रैल-अक्टूबर 2023 में यह 102.32 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति की अन्य प्रमुख बातें निम्न हैं:

- व्यापारिक निर्यात अक्टूबर 2024 के दौरान 39.20 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि अक्टूबर 2023 के दौरान यह 33.43 अरब अमेरिकी डॉलर था, यानी इसमें 17.23 प्रतिशत की सकारात्मक वृद्धि हुई
- गैर-पेट्रोलियम निर्यात अक्टूबर 2024 में 34.61 अरब अमेरिकी डॉलर दर्ज किया गया और इसमें अक्टूबर 2023 के 27.55 अरब अमेरिकी डॉलर के गैर-पीओएल निर्यात की तुलना में 25.63 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई
- गैर-पेट्रोलियम और गैर-रत्न और आभूषण निर्यात अक्टूबर 2023 के 24.56 बिलियन अमरीकी डॉलर से अक्टूबर 2024 में 31.36 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया, इसमें 27.68 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई
- अक्टूबर 2024 में व्यापारिक निर्यात वृद्धि के प्रमुख घटकों में इंजीनियरिंग सामान, इलेक्ट्रॉनिक सामान, कार्बनिक और अकार्बनिक रसायन, चावल और सभी वस्त्रों का आरएमजी शामिल हैं
- इंजीनियरिंग सामान का निर्यात अक्टूबर 2023 में 8.08 बिलियन अमरीकी डॉलर से 39.37 प्रतिशत बढ़कर अक्टूबर 2024 में 11.26 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया
- इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का निर्यात अक्टूबर 2023 में 2.36 बिलियन अमरीकी डॉलर से 45.69 प्रतिशत बढ़कर अक्टूबर 2024 में 3.43 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया
- जैविक और अकार्बनिक रसायनों का निर्यात अक्टूबर 2023 में 2.14 बिलियन अमरीकी डॉलर से 27.35 प्रतिशत बढ़कर अक्टूबर 2024 में 2.72 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया
- चावल निर्यात 85.79 प्रतिशत वृद्धि के साथ अक्टूबर 2023 में 0.57 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर अक्टूबर 2024 में 1.05 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया
- सभी प्रकार के वस्त्र निर्यात का आरएमजी अक्टूबर 2023 में 0.91 बिलियन अमरीकी डॉलर से 35.06 प्रतिशत बढ़कर अक्टूबर 2024 में 1.23 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया ■

मार्गदर्शित पिनाका शस्त्र प्रणाली का सफल परीक्षण पूरा हुआ

मार्गदर्शित पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट प्रणाली का सटीक हमला करने वाला संस्करण पूरी तरह से स्वदेशी हथियार प्रणाली है

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने मार्गदर्शित पिनाका शस्त्र प्रणाली के परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। ये परीक्षण तात्कालिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्रोविजनल स्टाफ क्वालिटेटिव रिक्वायरमेंट्स (पीएसक्यूआर) के तहत किए गए, जो कि तीन चरणों में विभिन्न फील्ड फायरिंग रेंज में पूरे हुए।

रक्षा मंत्रालय द्वारा 14 नवंबर को जारी एक बयान के अनुसार इन परीक्षणों के दौरान रॉकेट्स की कार्य-कुशलताओं की विस्तृत जांच की गई। व्यापक परीक्षण के माध्यम से पीएसक्यूआर मापदंडों जैसे रेंजिंग, सटीकता, स्थिरता और सैल्वो मोड में कई लक्ष्यों पर एक साथ हमला करने की क्षमता का मूल्यांकन किया गया। लांचर उत्पादन एजेंसियों द्वारा अपग्रेड किए गए दो इन-सर्विस पिनाका लांचरों से प्रत्येक उत्पादन एजेंसी के 12-12 रॉकेटों का परीक्षण किया गया है। मार्गदर्शित पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट प्रणाली का सटीक हमला करने वाला संस्करण पूरी तरह से स्वदेशी हथियार प्रणाली है।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने प्रणाली के सफल पीएसक्यूआर परीक्षणों के लिए डीआरडीओ तथा भारतीय सेना की सराहना की है। उन्होंने कहा है कि इस मार्गदर्शित पिनाका हथियार प्रणाली के शामिल होने से सशस्त्र बलों की तोपखाने की मारक क्षमता में और बढ़ोतरी होगी। ■

भारत की पहली लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण

इस हाइपरसोनिक मिसाइल को सशस्त्र बलों के लिए 1,500 किलोमीटर से अधिक की दूरी तक विभिन्न विस्फोटक सामग्री ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 16 नवंबर, 2024 को ओडिशा के तट पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से भारत की पहली लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल की उड़ान का सफल परीक्षण किया। इस हाइपरसोनिक मिसाइल को सशस्त्र बलों के लिए 1,500 किलोमीटर से अधिक की दूरी तक विभिन्न विस्फोटक सामग्री ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इस मिसाइल को कई डोमेन में तैनात विभिन्न रेंज प्रणालियों द्वारा ट्रैक किया गया। डाउन रेंज शिप स्टेशनों से प्राप्त उड़ान डेटा ने अत्यधिक सटीकता के साथ सफल टर्मिनल कौशल और प्रभाव की पुष्टि की।

इस मिसाइल को हैदराबाद स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मिसाइल कॉम्प्लेक्स की प्रयोगशालाओं तथा डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं और उद्योग भागीदारों द्वारा देश में विकसित किया गया है। यह उड़ान परीक्षण डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिकों और सशस्त्र बलों के अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में इस उड़ान परीक्षण को एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। इससे भारत ऐसे चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो गया है जिनके पास ऐसी महत्वपूर्ण और उन्नत सैन्य तकनीकें हैं। उन्होंने सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ, सशस्त्र बलों और उद्योग को बधाई दी। ■

भारत ने पेटेंट, ट्रेडमार्क और औद्योगिक डिजाइन में शीर्ष 10 देशों में स्थान प्राप्त किया: डब्ल्यूआईपीओ 2024 रिपोर्ट

भारत ने पेटेंट आवेदनों में रिकॉर्ड (15.7 प्रतिशत) वृद्धि हासिल की, 2023 में शीर्ष पेटेंट संबंधी 20 मूल देशों में अग्रणी रहा; भारत के औद्योगिक डिजाइन एप्लीकेशंस में 36.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जो विनिर्माण और रचनात्मक उद्योग की वृद्धि को दर्शाती है

विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) ने बौद्धिक संपदा (आईपी) फाइलिंग करने संबंधी वैश्विक रुझानों को रेखांकित करते हुए विश्व बौद्धिक संपदा संकेतक (डब्ल्यूआईपीआई) रिपोर्ट 2024 प्रकाशित की है। रिपोर्ट में विश्व की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में पेटेंट, ट्रेडमार्क और औद्योगिक डिजाइन अनुप्रयोगों में उल्लेखनीय वृद्धि की जानकारी मिलती है। भारत ने तीनों प्रमुख बौद्धिक संपदा (आईपी) अधिकारों-पेटेंट, ट्रेडमार्क और औद्योगिक डिजाइनों के लिए वैश्विक शीर्ष 10 देशों में स्थान प्राप्त किया है। भारत ने बौद्धिक संपदा (आईपी) क्षेत्र में वैश्विक रूप से अग्रणी देश के तौर पर मजबूत स्थिति बना ली है। यह अपने आप में शानदार प्रगति है और आईपी गतिविधि क्षेत्र में नई उपलब्धि का प्रतीक है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा 12 नवंबर को जारी एक बयान के अनुसार भारत ने 2023 में पेटेंट आवेदन करने वाले 20 मूल देशों में सबसे तेज़ वृद्धि (+15.7 प्रतिशत) दर्ज की, जो लगातार पांचवें वर्ष दोहरे अंकों की वृद्धि को दर्शाता है। पेटेंट के लिए भारत 64,480 आवेदनों के साथ विश्व स्तर पर छठे स्थान पर है, जिसमें सभी दायर आवेदनों में से आधे से अधिक निवासी (रेजिडेंट) फाइलिंग (55.2 प्रतिशत) हैं। यह देश के लिए पहली बार है। पेटेंट कार्यालय ने पिछले वर्ष की तुलना में 2023 में 149.4 प्रतिशत अधिक पेटेंट भी प्रदान किए, जो देश के तेजी से विकसित हो रहे आईपी क्षेत्र को रेखांकित करता है।

रिपोर्ट में भारत के औद्योगिक डिजाइन अनुप्रयोगों में लगातार वृद्धि (36.4 प्रतिशत) को भी दर्शाया गया है जो भारत में उत्पाद डिजाइन, विनिर्माण और रचनात्मक उद्योगों की वृद्धि के अनुरूप है। शीर्ष तीन क्षेत्र— कपड़ा और सहायक उपकरण, उपकरण और मशीनें तथा स्वास्थ्य एवं सौंदर्य प्रसाधन- डिजाइन फाइलिंग में जो आवेदन किए गए हैं उसमें भारत की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत है।

वर्ष 2018 और 2023 के बीच पेटेंट और औद्योगिक डिजाइन आवेदन दोगुने से अधिक हो गए, जबकि ट्रेडमार्क दाखिल करने में 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो देश में आईपी और नवाचार पर अधिक ध्यान देने की प्रवृत्ति को दर्शाता है। भारत के पेटेंट और सकल घरेलू उत्पाद अनुपात में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो पिछले दशक में 144 से बढ़कर 381 हो गई है। यह वृद्धि इस बात की परिचायक है कि आर्थिक विस्तार के साथ-साथ आईपी गतिविधियां भी बढ़ रही है।

वैश्विक स्तर पर भारत ट्रेडमार्क फाइलिंग में चौथे स्थान पर है, जिसमें 2023 में 6.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इनमें से लगभग 90 प्रतिशत आवेदन नागरिकों (रेजिडेंट) द्वारा किए गए, जिसमें स्वास्थ्य (21.9 प्रतिशत), कृषि (15.3 प्रतिशत) और वस्त्र (12.8 प्रतिशत) जैसे प्रमुख क्षेत्र हैं। भारत का ट्रेडमार्क कार्यालय दुनिया भर में सक्रिय पंजीकरण के मामले में दूसरे स्थान पर है, जहां भारी संख्या में पंजीकरण कराए जाते हैं। इसमें 3.2 मिलियन से अधिक ट्रेडमार्क प्रभावी हैं, जो वैश्विक तौर पर ब्रांड संरक्षण में देश की मजबूत स्थिति को दर्शाता है। ■

भाजपा के राष्ट्रीय संगठक प्रद्युम्न कुमार नहीं रहे

भाजपा के राष्ट्रीय संगठक एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक श्री प्रद्युम्न कुमार का 19 नवंबर, 2024 को दिल्ली में निधन हो गया। वह 75 वर्ष के थे। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने नई दिल्ली स्थित भाजपा केंद्रीय कार्यालय विस्तार में स्व. प्रद्युम्न कुमार जी के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री नड्डा ने 'एक्स' पर अपने शोक संदेश में स्व. प्रद्युम्न कुमार को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, "मां भारती की सेवा एवं संगठन के विस्तार के लिए समर्पित आपका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणापुंज है। समाज, राष्ट्र व विचारधारा को समर्पित आपकी अद्वितीय निष्ठा, त्याग व समर्पण को शत-शत नमन करता हूं।"

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, "भाजपा के राष्ट्रीय संगठक व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक प्रद्युम्न कुमार जी के निधन का दुःखद समाचार मिला। विचारधारा के प्रति आजीवन समर्पित प्रद्युम्न जी ने संगठन को विस्तार देने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। जीवन पर्यंत राष्ट्रप्रथम के लिए युवाओं को प्रेरित करने वाले प्रद्युम्न जी भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा पुंज बने रहेंगे। दुःख की इस घड़ी में पूरा भाजपा परिवार उनके परिजनों के साथ है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान दें।"

उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक स्थान राजस्थान के सादुलशहर में किया गया। उनके अंतिम संस्कार में प्रदेश और देश के कई नेता शामिल हुए। ■

नहीं रहे पूर्व राज्यसभा सदस्य गोपाल व्यास

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य श्री गोपाल व्यास का 07 नवंबर, 2024 को निधन हो गया। श्री गोपाल व्यास एक ऐसा नाम है जो छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि देश के कोने-कोने से जुड़ा है।

श्री गोपाल व्यास का जन्म 15 फरवरी, 1932 को श्री पूनमचंद व्यास एवं श्रीमती जेठाभाई व्यास के घर हुआ था। श्री व्यास में बचपन से ही राष्ट्र के प्रति अगाध समर्पण की भावना थी और वह सदैव लोगों की सेवा के लिए तत्पर रहते थे। उनके शुभचिंतक उन्हें प्यार से 'शीरू भैया' कहकर बुलाते थे। उनकी शिक्षा जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज में हुई थी।

कुछ समय से श्री गोपाल व्यास अस्वस्थ थे और 07 नवंबर को उनका निधन हो गया।

उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक, क्षेत्र प्रचारक के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया तथा विश्व हिंदू परिषद् और भाजपा के साथ कार्य किया। उन्होंने राज्यसभा में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया। श्री गोपाल व्यास 3 अप्रैल, 2006 से 2 अप्रैल, 2012 तक राज्यसभा संसद सदस्य रहे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने श्रीगोपाल व्यास के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। ■

मोदी स्टोरी

90 के दशक में अमेरिका यात्रा के दौरान श्री नरेन्द्र मोदी की भाषाई कुशलता का प्रदर्शन

—ज्योतिंद्र मेहता, गुजरात

1990 के दशक में भाजपा नेता के तौर पर श्री नरेन्द्र मोदी और दो अन्य नेताओं को संयुक्त राज्य अमेरिका आने का निमंत्रण दिया गया, इस यात्रा का उद्देश्य अमेरिका की लोकतंत्रिक प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त करना और एक देश के तौर पर अमेरिका को समझना था। इस पहल का लक्ष्य युवा भारतीय नेताओं को अमेरिकी लोकतंत्र और शासन की गहरी समझ प्रदान करना था।

इस यात्रा के दौरान श्री मोदी ने न्यूयॉर्क में 'फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी फोरम' में भाषण दिया। इस कार्यक्रम में अमेरिका में रहने वाले भारतीय बड़ी संख्या में शामिल हुए, जिसमें श्री ज्योतिंद्र मेहता भी थे। श्री मेहता ने बताया, "श्री नरेन्द्र मोदी ने अंग्रेजी में भाषण दिया।" "जबकि वह गुजराती और हिंदी के एक कुशल वक्ता हैं, किसी ने भी उनसे अंग्रेजी पर इतनी अच्छी पकड़ की उम्मीद नहीं की थी। तीनों भाषाओं में उनकी दक्षता असाधारण थी।"

श्री मेहता ने इस बात पर जोर दिया कि श्री नरेन्द्र मोदी के लिए अपने विचारों को व्यक्त करने में भाषा कभी बाधा नहीं बनी। श्री मेहता ने बताते है कि "श्री मोदी की कई भाषाओं में स्पष्ट और प्रभावी ढंग से संवाद करने की क्षमता उनके असाधारण भाषाई कौशल को दर्शाती है।" "यहां तक कि अंग्रेजी में भी, जो उनकी पहली भाषा नहीं थी, उन्होंने अपने विचार प्रभावशाली एवं स्पष्ट ढंग से किए।" इस अनुभव ने न केवल श्री मोदी की भाषाई बहुमुखी प्रतिभा को उजागर किया, बल्कि उनके विचारों की स्पष्टता को भी उजागर किया। ■

कमल पुष्प

सेवा, समर्पण, त्याग, संघर्ष एवं बलिदान

श्री नरेन्द्र नाथ बैरागी

श्री नरेन्द्र नाथ बैरागी मूल रूप से बांग्लादेश के निवासी थे और वह एक शरणार्थी के तौर पर अंडमान आए थे। एक सजग सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर उन्होंने लगातार गरीबों एवं दलितों की मदद की।

1990 में श्री नरेन्द्र नाथ बैरागी ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भाजपा की स्थापना के लिए प्रयास किये और वह प्रदेश में इसके संस्थापक सदस्यों में से एक रहे। उन्हें डिगलीपुर संगठनात्मक जिले का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उन दिनों कांग्रेस पार्टी का पंचायत से लेकर संसद तक शासन था और उनके तानाशाही और अहंकारी नियंत्रण के कारण अंडमान और निकोबार द्वीप समूह जैसी जगह पर कांग्रेस को चुनौती देने की हिम्मत किसी में नहीं थी। कांग्रेस पार्टी के नेताओं और सदस्यों ने श्री बैरागी जी को जान से मारने की कई बार धमकियां दीं। उनके साथ सामाजिक एवं राजनीतिक भेदभाव किया गया। हालांकि, उन्होंने पूरे उत्तरी अंडमान क्षेत्र में भाजपा को मजबूत करने की दिशा में काम करना जारी रखा। श्री नरेन्द्र नाथ की प्रभावी कार्यशैली और क्षेत्रीय गतिविधियों ने भाजपा को संबल प्रदान किया और उस क्षेत्र के हजारों लोगों को पार्टी में शामिल होने के लिए प्रेरित किया, जिसका लाभ आगामी वर्षों में मिलने लगा। उनके प्रयासों और वर्षों से तैयार की गई टीम के कारण भाजपा वर्ष 2015 में डिगलीपुर में 15 में से 14 पंचायतों में जीत हासिल करने में सफल रही। ■

श्री नरेन्द्र नाथ बैरागी
जन्म: 01 जनवरी, 1933
सक्रिय वर्ष: 1990-1995
जिला: उत्तर-मध्य अंडमान, अंडमान निकोबार द्वीपसमूह

रचनात्मक अर्थव्यवस्था की अपार संभावनाओं की दस्तक

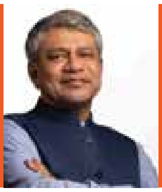

अश्विनी वैष्णव

“आप पूरी दुनिया में भारत के डिजिटल राजदूत हैं। आप ‘वोकल फॉर लोकल’ के ब्रांड एंबेसडर हैं।” इस साल की शुरुआत में ‘पहले राष्ट्रीय क्रिएटर्स अवार्ड’ के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के यह प्रेरक शब्द भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था की परिवर्तनकारी भूमिका के महत्व को बताते हैं। आज, हमारे क्रिएटर सिर्फ कहानीकार नहीं हैं; वे राष्ट्र-निर्माता हैं, जो भारत की पहचान को आकार दे रहे हैं और वैश्विक मंच पर इसकी संभावनाओं को प्रदर्शित कर रहे हैं।

आज गोवा में 55वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) की शुरुआत हो रही है और इस वर्ष की थीम ‘युवा फिल्म निर्माता - भविष्य अभी है’ होगी। अगले आठ दिनों में आईएफएफआई में सैकड़ों फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा, जहां इस उद्योग के दिग्गजों मौजूद होंगे और वैश्विक सिनेमा में सर्वश्रेष्ठ को सम्मानित किया जाएगा। वैश्विक और भारतीय सिनेमाई उत्कृष्टता का यह समागम भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को नवाचार, रोजगार और सांस्कृतिक कूटनीति के एक केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था 30 बिलियन डॉलर के उद्योग के रूप में उभरी है, जो सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 2.5 प्रतिशत का योगदान देती है और लगभग 8 प्रतिशत कार्यबल को आजीविका प्रदान करती है। सिनेमा, गेमिंग, एनीमेशन, संगीत, प्रभावशाली मार्केटिंग और बहुत कुछ तक फैला है। यह क्षेत्र, भारत के सांस्कृतिक परिदृश्य की जीवंतता को दर्शाता है। 3,375 करोड़ रुपये के मूल्य के एक संपन्न प्रभावशाली मार्केटिंग क्षेत्र और 200,000 से अधिक पूर्णकालिक सामग्री निर्माताओं के साथ यह उद्योग भारत की वैश्विक आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने वाली एक गतिशील शक्ति है। उल्लेखनीय रूप से गुवाहाटी, कोच्चि और इंदौर जैसे शहर रचनात्मक केन्द्र बनते जा रहे हैं, जिससे विकेन्द्रित रचनात्मक क्रांति को बढ़ावा मिल रहा है।

भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था 30 बिलियन डॉलर के उद्योग के रूप में उभरी है, जो सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 2.5 प्रतिशत का योगदान देती है और लगभग 8 प्रतिशत कार्यबल को आजीविका प्रदान करती है। सिनेमा, गेमिंग, एनीमेशन, संगीत, प्रभावशाली मार्केटिंग और बहुत कुछ तक फैला है। यह क्षेत्र, भारत के सांस्कृतिक परिदृश्य की जीवंतता को दर्शाता है

भारत के 1.1 बिलियन इंटरनेट उपयोगकर्ता और 700 मिलियन सोशल मीडिया उपयोगकर्ता रचनात्मकता के लोकतंत्रीकरण को बढ़ावा दे रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और ओटीटी सेवाएं क्रिएटर्स को सीधे वैश्विक दर्शकों से जुड़ने में सक्षम बनाती हैं। क्षेत्रीय सामग्री और स्थानीय भाषा में कहानी कहने के चलन ने कहानी को और विविधतापूर्ण बना दिया है, जिससे भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था वास्तव में समावेशी बन गई है। कंटेंट क्रिएटर अभूतपूर्व आर्थिक सफलता प्राप्त कर रहे हैं, जिनके दस लाख से ज्यादा फॉलोअर हैं, वह हर महीने 20,000 से 2.5 लाख रुपये तक कमा रहे हैं। यह पारिस्थितिकी तंत्र आर्थिक रूप से फायदेमंद है और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति एवं सामाजिक बदलाव के लिए एक मंच भी है।

रचनात्मक अर्थव्यवस्था का गहरा प्रभाव है जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि से कहीं आगे तक फैला हुआ है। यह सहायक उद्योगों का समर्थन करके पर्यटन, आतिथ्य और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है। इसके अतिरिक्त, डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म हाशिए पर पड़ी शक्तियों को सशक्त बनाते हैं, सामाजिक समावेशन, विविधता और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को बढ़ावा देते हैं। अपनी कहानी कहने की कला के माध्यम से भारत बॉलीवुड से लेकर क्षेत्रीय सिनेमा तक अपनी वैश्विक सॉफ्ट पावर को बढ़ाता चला जा रहा है, विश्व मंच पर अपनी समृद्ध सांस्कृतिक गाथा का प्रदर्शन कर रहा है। यह क्षेत्र वैश्विक स्थिरता लक्ष्यों के साथ भी जुड़ता है, जैसाकि पर्यावरण के अनुकूल उत्पादन प्रथाओं और टिकाऊ फैशन के उदय में देखा जाता है, जो पर्यावरण के प्रति जागरूक विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को वैश्विक मंच पर आगे ले जाने के लिए

क्रिएट इन इंडिया चैलेंज भारत की क्रिएटर इकोनॉमी की अपार संभावनाओं को प्रदर्शित करने के लिए डिजाइन की गई एक अग्रणी पहल है। इसके तहत एनिमेशन, गेमिंग, संगीत, ओटीटी कंटेंट और इमर्सिव स्टोरीटेलिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में प्रतिभाओं को प्रेरित करना और उन्हें सशक्त बनाना है। 14,000 से अधिक पंजीकरण और स्टार्टअप, स्वतंत्र क्रिएटर और उद्योग के पेशेवरों की सक्रिय भागीदारी के साथ यह पहल भारत की अभिनव भावना को प्रदर्शित करती है

सरकार तीन प्रमुख स्तंभों को प्राथमिकता दे रही है – एक मजबूत प्रतिभा पूल का पोषण करना, रचनाकारों के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और कहानीकारों को सशक्त बनाने के लिए प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना। इस दृष्टिकोण के हिस्से के रूप में भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) की स्थापना नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। आईआईसीटी का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि भारतीय रचनाकार - चाहे वे सिनेमा, एनीमेशन, गेमिंग या डिजिटल कला में हों - घरेलू स्तर पर एक एकीकृत सांस्कृतिक शक्ति के रूप में और वैश्विक मनोरंजन जगत में अग्रणी के रूप में आगे बढ़ते रहें। फिल्म निर्माण, इमर्सिव अनुभव और इंटरैक्टिव मनोरंजन में नवीनतम तकनीकों को अपनाकर भारत कंटेंट निर्माण के भविष्य को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है।

विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (WAVES) देश को कंटेंट निर्माण और नवाचार में वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने की एक ऐतिहासिक पहल है। WAVES एक गतिशील मंच के रूप में कार्य करता है जहां निर्माता, उद्योग के दिग्गज और नीति निर्माता ऑडियो-विजुअल और मनोरंजन क्षेत्रों के भविष्य को आकार देने के लिए एकत्रित होते हैं। प्रधानमंत्री के क्रिएट इन इंडिया विजन के अनुरूप शिखर सम्मेलन सहयोग को बढ़ावा देता है, भारत की रचनात्मक क्षमता को प्रदर्शित करता है और वैश्विक भागीदारी को प्रोत्साहित करता है।

क्रिएट इन इंडिया चैलेंज भारत की क्रिएटर इकोनॉमी की अपार संभावनाओं को प्रदर्शित करने के लिए डिजाइन की गई एक अग्रणी पहल है। इसके तहत एनिमेशन, गेमिंग, संगीत, ओटीटी कंटेंट और इमर्सिव स्टोरीटेलिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में प्रतिभाओं को प्रेरित करना और उन्हें सशक्त बनाना है। 14,000 से अधिक पंजीकरण और स्टार्टअप, स्वतंत्र क्रिएटर और उद्योग के पेशेवरों की सक्रिय भागीदारी के साथ यह पहल भारत की अभिनव भावना को प्रदर्शित करती है। आईएफएफआई के इस आठ दिवसीय आयोजन के साथ यह संदेश स्पष्ट है कि भारत के रचनाकार वैश्विक रचनात्मक अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। केंद्र सरकार नीतिगत सुधारों, बुनियादी ढांचे के विकास और नवाचार के लिए प्रोत्साहन के माध्यम से इस पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। हमारे रचनाकारों के लिए एक सरल आह्वान हैः 5जी, वर्चुअल प्रोडक्शन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाएं, ऐसे प्लेटफ़ॉर्म का लाभ उठाएं जो भौगोलिक बाधाओं को दूर करते हैं और ऐसी प्रणालियों का हिस्सा बने, जो भारत की अनूठी पहचान को वैश्विक स्तर स्थापित करती हैं।

भविष्य उनका है जो नवाचार करते हैं, सहयोग करते हैं और सहजता से सृजन करते हैं। भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को प्रेरणा का स्तम्भ बनने दें, आर्थिक विकास, सांस्कृतिक कूटनीति और वैश्विक नेतृत्व को आगे बढ़ाएं। आइए, हम साथ मिलकर यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक भारतीय रचनाकार एक वैश्विक कहानीकार बने और भविष्य में दुनिया ऐसी गाथा के लिए भारत की ओर देखे। ■

(लेखक केंद्रीय रेल, सूचना व प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री हैं)

प्रधानमंत्री ने जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लिया और नाइजीरिया व गुयाना की यात्रा की

भारत ने पिछले दस वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 18 से 23 नवंबर, 2024 के बीच नाइजीरिया, ब्राजील और गुयाना की पांच दिवसीय यात्रा की। इस यात्रा के दौरान श्री मोदी ने ब्राजील में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लिया तथा 31 द्विपक्षीय बैठकों में अनेक वैश्विक नेताओं के साथ बातचीत की।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार इन राजनयिक मुलाकातों में नाइजीरिया में नाइजीरिया के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक, ब्राजील में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान 10 द्विपक्षीय बैठकें और गुयाना की यात्रा के दौरान नौ बैठकें शामिल थीं। ब्राजील में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इंडोनेशिया, पुर्तगाल, इटली, नॉर्वे, फ्रांस, ब्रिटेन, चिली, अर्जेंटीना और ऑस्ट्रेलिया के नेताओं के अलावा अन्य देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। अधिकारियों ने बताया कि इनमें इंडोनेशिया के सर्वश्री प्रबोवो सुबियांतो, पुर्तगाल के लुइस मोंटेनेग्रो, ब्रिटेन के कीर स्टार्मर, फ्रांस के इमैनुएल मैक्रों, चिली के गेब्रियल बोरिक फॉन्ट और अर्जेंटीना के जेवियर माइली के साथ उनकी द्विपक्षीय बैठकें शामिल हैं।

जी-20 शिखर सम्मेलन के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, मिस्र, अमेरिका और स्पेन के नेताओं तथा यूरोपीय संघ की उर्सुला वॉन डेर लेयेन, संयुक्त राष्ट्र के एंटोनियो गुटेरेस, विश्व व्यापार संगठन की नोगोजी ओकोन्जो-इवेला, विश्व स्वास्थ्य संगठन के टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयेसस तथा आईएमएफ की क्रिस्टालिना जॉर्जीवा और गीता गोपीनाथ जैसे प्रमुखों और कार्यकारियों (executives) के साथ अनौपचारिक बातचीत और बैठकें कीं।

गुयाना में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने गुयाना, डोमिनिका, बहामास, त्रिनिदाद और टोबैगो, सूरीनाम, बारबाडोस, एंटीगुआ और बारबुडा, ग्रेनेडा और सेंट लूसिया के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

जी-20 शिखर सम्मेलन

प्रधानमंत्री का 'सामाजिक समावेश तथा भूख और गरीबी के खिलाफ लड़ाई' विषय पर संबोधन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 18 नवंबर को 'सामाजिक समावेश तथा भूख और गरीबी के खिलाफ लड़ाई' विषय पर जी-20 शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने शिखर सम्मेलन की मेजबानी और उनके शानदार आतिथ्य के लिए ब्राजील के राष्ट्रपति श्री लुइस इनासियो लूला दा सिल्वा को धन्यवाद दिया। उन्होंने सतत विकास लक्ष्यों पर केंद्रित ब्राजील के जी-20 एजेंडे की सराहना की और उल्लेख किया कि इस दृष्टिकोण ने वैश्विक दक्षिण

के देशों की चिंताओं को रेखांकित किया है और नई दिल्ली जी-20 शिखर सम्मेलन के जन-केंद्रित निर्णयों को आगे बढ़ाया है। श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की जी-20 अध्यक्षता का 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' का आह्वान रियो में होने वाली बातचीत में भी गूंजता रहा है।

भूख और गरीबी से निपटने की भारत की पहल के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने पिछले दस वर्षों में 250 मिलियन लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है और देश में 800 मिलियन लोगों को मुफ्त खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा से निपटने में भारत की सफलता के बारे में श्री मोदी ने जोर देते हुए कहा कि 'मूलभूत बातों पर वापस आना और भविष्य की ओर आगे बढ़ना' पर आधारित इसका दृष्टिकोण परिणाम दे रहा है। उन्होंने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को बढ़ावा देने के लिए भारत द्वारा उठाए गए उपायों के बारे में विस्तार से बताया।

श्री मोदी ने अफ्रीका और अन्य देशों में खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने के लिए भारत द्वारा उठाए गए कदमों पर भी प्रकाश डाला। यह रेखांकित करते हुए कि वर्तमान में जारी संघर्षों से उत्पन्न खाद्य, ईंधन और उर्वरक संकट से वैश्विक दक्षिण के देश बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, उन्होंने भूख और गरीबी के खिलाफ वैश्विक गठबंधन स्थापित करने की ब्राजील की पहल का स्वागत किया। इसलिए, वैश्विक दक्षिण के देशों की चिंताओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

'सतत विकास और ऊर्जा परिवर्तन'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सतत विकास और ऊर्जा परिवर्तन पर जी-20 शिखर सम्मेलन के सत्र को भी संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि नई दिल्ली जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान समूह ने 2030 तक अक्षय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना और ऊर्जा दक्षता दर को दोगुना करने का संकल्प लिया था। उन्होंने सतत विकास प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने के लिए ब्राजील के निर्णय का स्वागत किया।

श्री मोदी ने सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए भारत द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि भारत ने पिछले दस वर्षों में 40 मिलियन परिवारों को आवास, पिछले पांच वर्षों में 120 मिलियन परिवारों को स्वच्छ पेयजल, 100 मिलियन परिवारों को खाना पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन और 115 मिलियन परिवारों को शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराई है।

इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि भारत अपनी पेरिस प्रतिबद्धताओं को पूरा करने वाला पहला जी-20 देश था, प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, जिसमें से 200 गीगावाट हासिल किया जा चुका है। उन्होंने भारत द्वारा उठाए गए वैश्विक कदमों के बारे में भी बात की, जैसेकि अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, आपदारोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन, मिशन लाइफ, एक सूर्य एक दुनिया

नाइजीरिया के राष्ट्रपति के साथ आधिकारिक वार्ता

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 17-18 नवंबर 2024 के दौरान नाइजीरिया की राजकीय यात्रा की। उन्होंने 17 नवंबर को अबुजा में नाइजीरिया के राष्ट्रपति श्री बोला अहमद टीनूबू के साथ आधिकारिक वार्ता की। स्टेट हाउस पहुंचने पर प्रधानमंत्री का 21 तोपों की सलामी के साथ औपचारिक स्वागत किया गया।

दोनों राजनेताओं के बीच एक सीमित बैठक हुई, जिसके बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता का आयोजन हुआ। श्री मोदी ने नई दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति टीनूबू के साथ अपनी गर्मजोशी भरी बैठक को याद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच मित्रता के विशेष बंधन हैं, जो साझा अतीत, समान लोकतांत्रिक मूल्यों और लोगों के आपसी मजबूत संबंधों द्वारा परिभाषित होते हैं।

दोनों नेताओं ने वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की। राष्ट्रपति टीनूबू ने वॉयस ऑफ द् ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलनों के माध्यम से विकासशील देशों के मुद्दों पर जोर देने संबंधी भारत के प्रयासों को स्वीकार किया। दोनों नेताओं ने ग्लोबल साउथ के देशों की विकास आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री ने ईसीओडब्लूएएस के अध्यक्ष के रूप में नाइजीरिया द्वारा निभाई गई भूमिका तथा बहुपक्षीय निकायों में इसके योगदान की सराहना की।

वार्ता के बाद तीन समझौता ज्ञापनों— सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम, सीमा शुल्क सहयोग और सर्वेक्षण सहयोग - पर हस्ताक्षर किए गए। इसके बाद राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री के सम्मान में राजकीय भोज का आयोजन किया गया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 17 नवंबर को नाइजीरिया के अबुजा में भारतीय समुदाय द्वारा उनके सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रवासी भारतीयों को भी संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने भारतीय समुदाय द्वारा गर्मजोशी और उत्साह के साथ किए गए उनके भव्य स्वागत पर प्रसन्नता व्यक्त की। ■

एक ग्रिड और एक स्थायी प्लेनेट को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन। श्री मोदी ने ग्लोबल साउथ, विशेषकर छोटे द्वीप विकासशील राज्यों की सतत विकास आवश्यकताओं को प्राथमिकता देने का आह्वान करते हुए जी-20 से तीसरे वॉयस ऑफ द् ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन में भारत द्वारा घोषित वैश्विक विकास समझौते का समर्थन करने का आग्रह किया।

गुयाना यात्रा

प्रधानमंत्री ने गुयाना के राष्ट्रपति के साथ आधिकारिक वार्ता की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 20 नवंबर को जॉर्जटाउन में स्टेट हाउस में महामहिम डॉ. मोहम्मद इरफान अली से मुलाकात की। स्टेट हाउस पहुंचने पर राष्ट्रपति श्री अली ने उनका स्वागत किया और उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

दोनों नेताओं के बीच एक संक्षिप्त बैठक हुई, जिसके बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। भारत और गुयाना के बीच गहरे ऐतिहासिक संबंधों को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी यात्रा से द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत गति मिलेगी। दोनों नेताओं ने रक्षा, व्यापार एवं निवेश, स्वास्थ्य एवं फार्मा, पारंपरिक चिकित्सा, खाद्य सुरक्षा, बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, क्षमता निर्माण, संस्कृति तथा दोनों देशों के लोगों के बीच पारस्परिक संपर्क सहित भारत और गुयाना के बीच बहुआयामी संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक चर्चा की।

ऊर्जा के क्षेत्र में जारी सहयोग का जायजा लेते हुए दोनों नेताओं ने कहा कि हाइड्रोकार्बन के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। विकास के मामले में सहयोग भारत-गुयाना साझेदारी का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। श्री मोदी ने गुयाना की विकास संबंधी आकांक्षाओं को पूरा करने हेतु भारत के निरंतर सहयोग से अवगत कराया।

दोनों नेताओं ने आपसी हित के क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। दोनों नेताओं ने जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए अधिक सहयोग का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने भारत द्वारा आयोजित वॉयस ऑफ द् ग्लोबल साउथ समिट में भाग लेने के लिए राष्ट्रपति अली को धन्यवाद दिया। दोनों नेता ग्लोबल साउथ के देशों के बीच एकजुटता को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए।

दोनों नेता द्विपक्षीय सहयोग को और अधिक मजबूत करने के लिए नियमित अंतराल पर उच्चस्तरीय बैठकें आयोजित करने पर सहमत हुए। इस यात्रा के दौरान दस समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये गये।

दूसरा भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और ग्रेनेडा के प्रधानमंत्री श्री डिकॉन मिशेल, जो वर्तमान में कैरीकॉम के अध्यक्ष हैं, ने 20 नवंबर, 2024 को जॉर्जटाउन में दूसरे भारत-कैरीकॉम शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता की। प्रधानमंत्री ने शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए गुयाना के राष्ट्रपति श्री इरफान अली को धन्यवाद दिया। पहला भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन 2019 में न्यूयॉर्क में आयोजित किया गया था। गुयाना के राष्ट्रपति और ग्रेनेडा के प्रधानमंत्री के अलावा, शिखर सम्मेलन में डोमिनिका की राष्ट्रपति और डोमिनिका के प्रधानमंत्री, सूरीनाम के राष्ट्रपति, त्रिनिदाद और टोबैगो के प्रधानमंत्री, बारबाडोस की

प्रधानमंत्री, एंटीगुआ और बारबुडा के प्रधानमंत्री, ग्रेनेडा के प्रधानमंत्री, बहामास के प्रधानमंत्री, सेंट लूसिया के प्रधानमंत्री, सेंट विंसेंट के प्रधानमंत्री, बहामास के प्रधानमंत्री, बेलीज के विदेश मंत्री, जमैका की विदेश मंत्री और सेंट किट्स और नेविस के विदेश मंत्री ने भाग लिया।

श्री मोदी ने कैरीकॉम के लोगों के प्रति गहरी एकजुटता व्यक्त की और क्षेत्र में तूफान बेरिल से हुई तबाही पर दु:ख जताया। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ के देश हाल के वर्षों में सबसे अधिक चुनौतियों और संघर्षों का सामना कर रहे हैं और भारत ने कैरीकॉम देशों के साथ

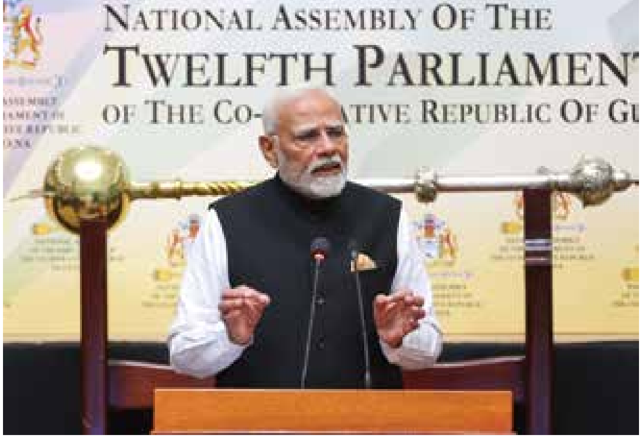

मजबूत साझेदारी के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत का विकास सहयोग समर्थन कैरीकॉम देशों की जरूरतों और प्राथमिकताओं पर आधारित है।

कैरीकॉम देशों के साथ भारत की करीबी विकास साझेदारी को और मजबूत करने के लिए श्री मोदी ने कैरीकॉम देशों को सात प्रमुख क्षेत्रों में सहायता की पेशकश की। ये क्षेत्र केरीकॉम के संक्षिप्त नाम से मेल खाते हैं और भारत और केरीकॉम के बीच मित्रता के घनिष्ठ संबंधों को बढ़ाते हैं। ये हैंः सीः क्षमता निर्माण; एः कृषि एवं खाद्य सुरक्षा; आरः नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन; आईः नवाचार, प्रौद्योगिकी और व्यापार; सीः क्रिकेट और संस्कृति; ओः महासागर अर्थव्यवस्था और समुद्री सुरक्षा; एमः चिकित्सा और स्वास्थ्य देखभाल।

क्षमता निर्माण के संबंध में प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि कैरीकॉम देशों के लिए आईटीईसी छात्रवृत्ति की संख्या अगले पांच वर्षों में एक हजार और बढ़ा दी जाएगी। खाद्य सुरक्षा के संबंध में, जो इन देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है, उन्होंने कृषि क्षेत्र में ड्रोन, डिजिटल खेती, कृषि मशीनीकरण और मृदा परीक्षण जैसी प्रौद्योगिकी को अपनाने में भारत के अनुभव को साझा किया।

नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्रों में भारत और कैरीकॉम के बीच सहयोग बढ़ाने का आह्वान करते हुए प्रधानमंत्री ने सदस्यों को भारत के नेतृत्व वाली वैश्विक पहल जैसे अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए बुनियादी ढांचा गठबंधन, मिशन लाइफ और वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

प्रधानमंत्री ने गुयाना की संसद को संबोधित किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 21 नवंबर को गुयाना की संसद की नेशनल असेम्बली को संबोधित किया। ऐसा करने वाले वे पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। इस संबोधन के लिए स्पीकर श्री मंजूर नादिर ने संसद का विशेष सत्र बुलाया था।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने भारत और गुयाना के बीच लंबे समय से चले आ रहे ऐतिहासिक संबंधों को याद किया। उन्होंने देश के सर्वोच्च सम्मान के लिए गुयाना के लोगों को धन्यवाद दिया। श्री मोदी ने कहा कि भारत और गुयाना के बीच भौगोलिक दूरी के बावजूद साझा विरासत और लोकतंत्र ने दोनों देशों को एक दूसरे के करीब ला दिया है। दोनों देशों के साझा लोकतांत्रिक लोकाचार और समान मानव-केंद्रित दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि इन मूल्यों ने उन्हें समावेशी पथ पर आगे बढ़ने में मदद की है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का 'मानवता सर्वप्रथम' का मंत्र उसे ब्राजील में हाल ही में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन सहित वैश्विक दक्षिण की आवाज को बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत विश्वबंधु के रूप में मानवता की सेवा करना चाहता है, जो दुनिया का मित्र है और इस मौलिक विचार ने वैश्विक समुदाय के प्रति उसके दृष्टिकोण को आकार दिया है, जहां वह सभी देशों को समान महत्व देता है— चाहे वे बड़े हों या छोटे।

श्री मोदी ने वैश्विक प्रगति और समृद्धि लाने के लिए महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच अधिक आदान-प्रदान का आग्रह किया, ताकि युवाओं की क्षमता का पूरा उपयोग किया जा सके। कैरेबियाई क्षेत्र को भारत के दृढ़ समर्थन से अवगत कराते हुए उन्होंने राष्ट्रपति अली को दूसरे भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए धन्यवाद दिया।

भारत-गुयाना ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए भारत की गहरी प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भारत और लैटिन अमेरिकी महाद्वीप के बीच गुयाना अवसरों का सेतु बन सकता है। श्री मोदी ने अपने संबोधन का समापन गुयाना के महान सपूत श्री छेदी जगन के कथन को उद्धृत करते हुए किया, जिन्होंने कहा था, "हमें अतीत से सीखना होगा और अपने वर्तमान को सुधारना होगा तथा भविष्य के लिए एक मजबूत आधार तैयार करना होगा।" उन्होंने गुयाना के सांसदों को भारत आने का निमंत्रण दिया। ■

हाल ही में गुयाना, डोमिनिका और नाइजीरिया द्वारा प्रदान किए गए सर्वोच्च नागरिक सम्मान के अलावा प्रधानमंत्री श्री मोदी को निम्नलिखित पुरस्कार/सम्मान भी प्राप्त हुए हैं

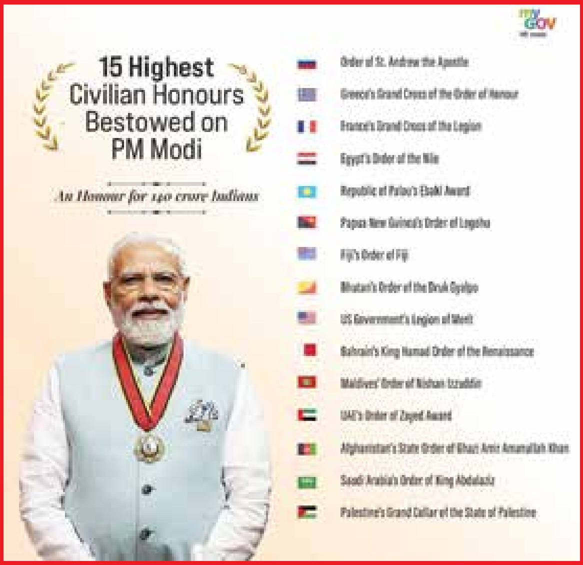

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गुयाना के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार 'द् ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' से सम्मानित किया गया

गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली ने 21 नवंबर को स्टेट हाउस में आयोजित एक समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को देश के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार 'द् ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' से सम्मानित किया। एक दूरदर्शी राजनेता के रूप में वैश्विक मंच पर विकासशील देशों के अधिकारों की रक्षा करने, वैश्विक समुदाय के लिए असाधारण सेवा करने तथा भारत-गुयाना संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता के लिए श्री मोदी को यह सम्मान प्रदान किया गया है।

पुरस्कार ग्रहण करते हुए प्रधानमंत्री ने इस सम्मान को भारत के नागरिकों तथा दोनों देशों के लोगों के बीच गहरे ऐतिहासिक संबंधों को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि उनकी यह राजकीय यात्रा भारत-गुयाना मैत्री को और सुदृढ़ करने की दिशा में भारत की निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी गुयाना के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होने वाले केवल चौथे विदेशी नेता हैं। ▪

प्रधानमंत्री मोदी डोमिनिका के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

डोमिनिका की राष्ट्रपति सिल्वेनी बर्टन ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को कोविड-19 महामारी के दौरान डोमिनिका को दिए गए समर्थन और दोनों देशों के बीच साझेदारी को मजबूत करने के प्रति उनके समर्पण को मान्यता देते हुए 'डोमिनिका अवार्ड ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया। इस अवसर पर डोमिनिका के प्रधानमंत्री श्री रूजवेल्ट स्केरिट भी उपस्थित थे। गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. इरफान अली, बारबाडोस की प्रधानमंत्री मिया अमोर मोटली, ग्रेनेडा के प्रधानमंत्री डिकॉन मिशेल, सेंट लूसिया के प्रधानमंत्री फिलिप जे. पियरे और एंटीगुआ और बारबुडा के प्रधानमंत्री गैस्टन ब्राउन भी समारोह में उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ने यह सम्मान भारत के लोगों और दोनों देशों के बीच गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को समर्पित किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध और ज्यादा विस्तारित एवं प्रगाढ़ होंगे।

यह पुरस्कार समारोह 20 नवंबर, 2024 को गुयाना के जॉर्जटाउन में दूसरे भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन के दौरान आयोजित किया गया। ▪

प्रधानमंत्री को राष्ट्रीय पुरस्कार – 'ग्रैंड कमांडर ऑफ द् ऑर्डर ऑफ नाइजर' से सम्मानित किया गया

स्टेट हाउस में आयोजित एक समारोह में नाइजीरिया संघीय गणराज्य के राष्ट्रपति श्री बोला अहमद टीनुबू ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को भारत-नाइजीरिया संबंधों को बढ़ावा देने में उनके राजनीतिक कौशल और शानदार योगदान के लिए 17 नवंबर को राष्ट्रीय पुरस्कार– 'ग्रैंड कमांडर ऑफ द् ऑर्डर ऑफ नाइजर' से सम्मानित किया। पुरस्कार के प्रशस्ति-पत्र में कहा गया है कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व के तहत भारत को एक वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित किया गया है और उनके परिवर्तनकारी शासन ने सभी के लिए एकता, शांति और साझा समृद्धि को बढ़ावा दिया है।

इस पुरस्कार को स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री ने इस सम्मान को भारत के लोगों और भारत तथा नाइजीरिया के बीच दीर्घकालिक व ऐतिहासिक मित्रता को समर्पित किया। उन्होंने आगे कहा कि यह सम्मान दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी और ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं के प्रति उनकी साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 1969 के बाद इस पुरस्कार से सम्मानित होने वाले पहले विदेशी नेता हैं। ▪

अबुजा (नाइजीरिया) में 17 नवंबर, 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते नाइजीरिया के राष्ट्रपति श्री बोला अहमद टीनुबू

अबुजा (नाइजीरिया) में 17 नवंबर, 2024 को एक सामुदायिक कार्यक्रम में भाग लेते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

रियो डी जेनेरियो (ब्राजील) में 18 नवंबर, 2024 को जी-20 रियो शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का गर्मजोशी से स्वागत करते ब्राजील के राष्ट्रपति श्री लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा

रियो डी जेनेरियो (ब्राजील) में 18 नवंबर, 2024 को जी-20 शिखर सम्मेलन में 'भूख और गरीबी के खिलाफ वैश्विक गठबंधन' सत्र के दौरान एक समूह चित्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

जॉर्जटाउन (गुयाना) में 20 नवंबर, 2024 को भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन के अवसर पर कैरिकॉम नेता के साथ एक समूह चित्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

जॉर्जटाउन (गुयाना) में 20 नवंबर, 2024 को औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
प्रकाशन तिथि: 04 दिसंबर, 2024
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह